संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 315
पृष्ठ 8
रविवार
04 अगस्त 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बरसात में नहीं लेना चाहते..
विचार- संसद से टपकता पानी
खेल- पेशेवर फुटबॉलर नहीं बनना चाहते ..

वैश्विक खाद्य संकट के समाधान के लिए काम कर रहा भारत : पीएम मोदी

भारत की कृषि विविधता वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए आशा की किरण- नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दिल्ली में कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे। इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम में मौजूद कृषि अर्थशास्त्रियों को संबोधित भी किया। उन्होंने बताया कि 65 वर्षों बाद भारत में इस तरह का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसे देखकर वह खुश हैं। पीएम मोदी ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को स्वागत किया। उन्होंने बताया कि कृषि को लेकर हमारी परंपराएं हमारे देश की तरह ही प्राचीन

है। पीएम मोदी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा, 65 साल बाद देश में इस तरह का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, इसे देखकर मैं बहुत खुश हूं। इस दुनिया के विभिन्न देशों से आपलोग यहां आए हैं। मैं 12 करोड़ भारतीय किसानों, तीन करोड़ भारतीय महिला किसानों और तीन करोड़ मछुआरों की तरफ से आपका स्वागत करता हूं। आज आप उस देश में हैं, जहां 55 करोड़ पशु रहते हैं। आप सभी का कृषि प्रधान और पशु प्रेमी देश में स्वागत है। उन्होंने आगे कहा, ष्भोजन और कृषि के बारे में हमारी परंपराएं और अनुभव हमारे देश की तरह ही प्राचीन हैं। भारत में कृषि परंपरा में विज्ञान को प्राथमिकता दी जाती है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछली बार जब भारत ने इस सम्मेलन की मेजबानी की थी, तब उसे आजादी मिले ज्यादा समय नहीं हुआ था। वह दौर देश में कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण दौर था। उन्होंने कहा, ष्भारत अब एक खाद्य अधिशेष देश है। यह दुनिया में दूध, दालों और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके अलावा, भारत खाद्यान्न, फल, सब्जी, कपास, चीनी और चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक भी बन गया है। एक दौर था, जब भारत की खाद्य सुरक्षा दुनिया के लिए चिंता का सबब थी। अब, भारत वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए समाधान प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है। पीएम मोदी ने बताया कि भारत पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने पिछले 10 वर्षों में जलवायु परिवर्तन के प्रति कम संवेदनशील फसलों की 1,900 नयी प्रजातियां प्रदान की हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ष्भारत में कृषि से जुड़ी शिक्षा और अनुसंधान से जुड़ा एक मजबूत इकोसिस्टम बना हुआ है। इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के ही 100 से ज्यादा रिसर्च संस्थान हैं। भारत में कृषि और उससे संबंधित विषयों की पढ़ाई के लिए 500 से ज्यादा कॉलेज हैं। भारत में 700 से ज्यादा कृषि विज्ञान केंद्र हैं जो किसानों तक नई तकनीक पहुंचाने में मदद करते हैं। उन्होंने आगा कहा, षपिछली बार जब आईसीएई सम्मेलन भारत में हुआ था वो भारत की कृषि और खाद्य सुरक्षा को लेकर चुनौतीपूर्ण समय था।

अयोध्या गैंगरेप...आरोपी सपा नेता की बेकरी को ढहाया

4 और प्रापर्टी पर चलेगा बुलडोजर, पीड़ित बच्ची से मिलकर योगी के मंत्री फूट-फूटकर रोए

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या गैंगरेप केस में योगी सरकार एक्शन में है। बच्ची की मां से सीएम योगी की मुलाकात के 24 घंटे बाद आरोपी सपा नेता मोईद खान की बेकरी को बुलडोजर से ढहा दिया। बेकरी तालाब की जमीन पर 3000 हजार स्क्वायर फीट में बनी थी। इसके बाद प्रशासन का बुलडोजर सपा नेता की दूसरी बिल्डिंग पर पहुंचा, लेकिन बिल्डिंग में पीएनबी बैंक चल रही थी। इस वजह से बिल्डिंग को तोड़ा नहीं गया। प्रशासन ने बैंक को एक हफ्ते में खाली करने का नोटिस दिया है। 65 साल के मोईद की 4 और प्रॉपर्टी पर भी बुलडोजर चलेगा। इसमें सपा नेता का घर भी शामिल है। प्रशासन ने सपा नेता की 1 करोड़ की जमीन को भी चिह्नित किया है। इधर, योगी सरकार में मंत्री संजय निषाद सुबह पीड़ित बच्ची से मिलने अस्पताल पहुंचे। बाहर निकलकर वह फूट-फूटकर रोए। कहा- अखिलेश का च्च। झूठा साबित हो रहा। लगता है कि इन अपराधियों के सहारे इनकी जीत हुई। वहीं, पुलिस ने 2 और सपा नेताओं समेत 3 पर एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने बताया कि आरोपियों में भदरसा नगर पंचायत के चेयरमैन मोहम्मद राशिद, सपा नेता जय सिंह राणा और एक अन्य है। पुलिस का कहना है- तीनों अस्पताल में भर्ती बच्ची से मुलाकात के नाम पर पहुंचे थे। वहां परिवार से मामले में सुलह करने का दबाव बनाया। परिवार ने इनकार किया, तो भड़क गए। परिजनों को धमकाते हुए जान से मारने की धमकी दी थी।

अब सपा नेता की दूसरी बिल्डिंग पर पहुंचा बुलडोजर

प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर मोईद की दूसरी बिल्डिंग पर पहुंची।

भगवान राम के अस्तित्व का कोई सबूत नहीं, डीएमके नेता के बयान पर विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु के मंत्री और द्रमुक नेता एसएस शिवशंकर ने उस समय विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने दावा किया कि भगवान राम के अस्तित्व को साबित करने के लिए कोई ऐतिहासिक सबूत नहीं है। चोल वंश के राजाओं के साथ समानताएं दर्शाते हुए उन्होंने कहा कि राज्य

की इमारतें अभी भी अपने अस्तित्व को साबित करने के लिए सबूत के तौर पर काम करती हैं। अरियालुर जिले के गंगईकोंडचोलापुरम में राजेंद्र चोल की जयंती मनाने के लिए एक कार्यक्रम में बोलते हुए, डीएमके मंत्री ने कहा कि राजेंद्र चोल (चोल वंश के राजेंद्र प्रथम) की विरासत का जश्न मनाना हर किसी का कर्तव्य है अन्यथा ष्लोग कुछ ऐसा जश्न मनाने के लिए मजबूर हो जाएंगे जो उनके लिए अप्रासंगिक हैष। शिवशंकर ने कहा कि हम चोल वंश के सम्राट राजेंद्र चोल का जन्मदिन मनाते हैं, क्योंकि हमारे पास शिलालेख, उनके द्वारा बनवाए गए मंदिर और उनके द्वारा बनाई गई झील जैसे पुरातात्विक साक्ष्य हैं। लेकिन, भगवान राम के इतिहास का पता लगाने के लिए कोई सबूत नहीं है। तुलना करते हुए डीएमके नेता ने कहा, "वे दावा करते हैं कि भगवान राम 3,000 साल पहले रहते थे और उन्हें अवतार कहते हैं। अवतार का जन्म नहीं हो सकता।

लोग सेटलमेंट करके कोर्ट से छुटकारा चाहते : सीजेआई

लेकिन प्रोसेस ही पनिशमेंट, हम निपटारे की जगह बेहतर रिजल्ट देने की कोशिश करते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार (3 अगस्त) को कहा कि लोग कोर्ट के मामलों से इतने तंग आ जाते हैं कि वे बस सेटलमेंट चाहते हैं। कोर्ट का प्रोसेस पनिशमेंट जैसा है। यह जज के रूप में हम सभी के लिए चिंता का कारण है। सीजेआई ने कहा- हम कोशिश करते हैं और कहते हैं कि हम सेटलमेंट नहीं करेंगे। बल्कि हम आपको बेहतर रिजल्ट देंगे। चंद्रचूड़ ने कहा कि जब बीआर अंबेडकर जैसे दिग्गजों ने संविधान बनाया था, तो उन्होंने इसे एक मिशन के साथ बनाया था। चंद्रचूड़ ने कहा- भारत के सुप्रीम कोर्ट को 180 संवैधानिक मामलों से निपटने वाला अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट बनाने का विचार नहीं था। बल्कि इसके पीछे श्न्याय सबके द्वारश का विचार था। यह

एक अदालत थी, जिसे गरीब समाज के लिए बनाया जा रहा था, जहां न्याय तक पहुंच का अभाव था। सीजेआई ने ये बातें सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लोक अदालत वीक के स्मरणोत्सव समारोह में कहीं। इस समारोह में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी पहुंचे थे। सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75 साल पूरे होने के मौके पर 29 जुलाई से 3 अगस्त तक स्पेशल लोक अदालत का आयोजन किया गया था। लोक अदालतें ऐसे मंच हैं जहां कोर्ट में लंबित मामलों या मुकदमे से पहले विवाद को आपसी समझौते से निपटाया जाता है। लोक अदालत के फैसलों के खिलाफ किसी भी कोर्ट मेंध्अपील नहीं की जा सकती है।

चंद्रचूड़ बोले- हम मुवक्किलों को नहीं जानते, यही सबसे बड़ी कमी

चंद्रचूड़ ने अपने संबोधिन के दौरान कहा- सुप्रीम कोर्ट के जज ऊंचे डायस पर बैठते हैं। हमारे सामने वकील बैठते हैं। हम मुवक्किलों को शायद ही जानते हों जैसे हम हाई कोर्ट या डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में जानते हैं। हम जिन लोगों को सुप्रीम कोर्ट में न्याय देते हैं, वे हमारे लिए अदृश्य हैं। यही हमारे काम की सबसे बड़ी कमी है। सीजेआई ने कहा- सुप्रीम कोर्ट भले ही दिल्ली में स्थित है, लेकिन यह पूरे भारत का कोर्ट है। हमने पूरे देश से अधिकारियों को रजिस्ट्री में भर्ती किया है और वे पूरे भारत में जीवन और समाज के बारे में विविधता, समावेश और ज्ञान लाते हैं। सीजेआई ने कहा- भारत सरकार के एक बहुत सीनियर सेक्रेटरी और पूर्व सिविल सर्वेंट ने मुझसे कहा कि उन्हें कभी नहीं पता था कि सुप्रीम कोर्ट में छोटे मामलों की भी सुनवाई होती है।

ताजमहल में घुसकर 2 युवकों ने मकबरे पर गंगाजल चढ़ाया

ओम का स्टीकर चिपकाया, दावा-ये तेजोमहाल, शिव मंदिर है

आगरा, एजेंसी। आगरा के ताजमहल में घुसकर दो युवकों ने मुख्य मकबरे पर ऊपर से जल चढ़ाया। दीवार पर ओम का स्टीकर भी चिपकाया। युवकों ने दावा किया कि वे बोतल में गंगाजल लेकर गए थे। उन्होंने इसका वीडियो भी बनाया, जिसमें वे कहते हैं कि अब अंतिम पड़ाव पर पहुंच गए हैं। हर-हर महादेव। सीआईएसएफ ने दोनों युवकों को आगरा पुलिस के हवाले कर दिया। ये अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता श्याम और वीनेश कुंतल हैं। मथुरा के रहने वाले हैं। हिंदू महासभा का दावा है कि ये ताजमहल नहीं, तेजोमहालय शिव मंदिर है। डीसीपी आगरा सिटी सूरज राय ने बताया- 2 युवक ताजमहल के अंदर गए। उन्होंने बोतल से परिसर में जल गिराया। सीआईएसएफ ने दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। सीआईएसएफ की ओर से

लिखित तहरीर पर दोनों युवकों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मथुरा की अखिल भारत हिंदू महासभा जिलाध्यक्ष छाया गौतम ने बताया- 31 जुलाई को मैं श्याम और वीनेश कुंतल के साथ कासंगज जिले के सोरो से कांवड़ में गंगाजल लेकर चली थी। 2 अगस्त की रात मथुरा पहुंची। क्योंकि, पहले ही हमने ताजमहल में गंगाजल चढ़ाने का ऐलान कर दिया था, इसलिए रात 12 बजे मुझे प्रशासन ने हाउस अरेस्ट कर लिया।

शाह ने देशवासियों से घरों पर तिरंगा लहराने की अपील की

नयी दिल्ली , एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को देशवासियों से अपील की कि वे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आगामी नौ से 15 अगस्त तक अपने घरों में तिरंगा लहराकर इसकी सेल्फी 'हर घर तिरंगा' वेबसाइट पर अपलोड करें। श्री शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा त्याग, निष्ठा व शांति का प्रतीक है।

शांति वार्ता के बीच जिरीबाम में भड़क उठी ताजा हिंसा, जला दिया गया मैतई परिवार का घर

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर के जिरीबाम जिले में मैतेई और हमार समूहों द्वारा जिले में सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयासों के लिए एक समझौते पर पहुंचने के लिए बातचीत के एक दिन बाद, शुक्रवार की रात आगजनी की एक ताजा घटना हुई जिसमें एक मैतेई परिवार का घर जला दिया गया। यह घटना जिरीबाम के लालपानी गांव में हुई, जो एक बंगाली बहुल इलाका है, जो सेजांग नामक कुकी गांव के करीब है। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने इलाके में सुरक्षा खामियों का फायदा उठाया और परित्यक्त घर में आग लगाने से पहले गोलियां चलाईं। एक अधिकारी ने बताया कि यह एक अलग बस्ती है जिसमें कुछ मैतेई घर शामिल हैं, और उनमें से अधिकांश को जिले में हिंसा भड़कने के बाद छोड़ दिया गया था।

उपद्रवियों ने आगजनी की घटना को अंजाम देने के लिए इलाके में सुरक्षा खामियों का फायदा उठाया। अधिकारी ने बताया कि हथियारबंद बदमाशों ने, जिनकी अभी पहचान नहीं हो पाई है।

राजस्थान में दूरदर्शी सोच के साथ उठाये कदमों से नहीं रहेगी बिजली की कमी-नागर

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने प्रदेश में बिजली संकट के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि हमारी सरकार ने बिजली के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केन्द्रीय उपक्रमों के साथ समझौता (एमओयू) किया हैं और दूरदर्शी सोच के साथ उठाये गए इस कदम से आने वाले समय में राजस्थान में बिजली की कोई कमी नहीं रहेगी। नागर शुक्रवार रात विधानसभा में राज्य में बिजली की स्थिति पर चर्चा के बाद अपना जवाब दे रहे थे।

वायनाड लैंडस्लाइड, 4 दिन बाद बचाए गए 4 आदिवासी बच्चे

कलपेट्टा। वायनाड लैंडस्लाइड के चौथे दिन शुक्रवार को एक अच्छी खबर आई। वन अधिकारियों ने 8 घंटे के ऑपरेशन में एक दूरदराज आदिवासी इलाके से 4 बच्चों समेत 6 लोगों का रेस्क्यू किया। बच्चे एक से चार साल के हैं। पनिया समुदाय का यह आदिवासी परिवार पहाड़ी की चोटी पर एक गुफा में फंसा था। न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में कलपेट्घ्टा रेंज के फॉरेस्ट ऑफिसर हशीस ने बताया- हमने गुरुवार को मां और 4 साल के बच्चे को जंगल के पास भटकते देखा। पूछताछ में उसने अपना नाम शांता बताया। उसने कहा कि वे लोग चूरलमाला के एराट्टुकुंडु

ऊरु (बस्ती) में रहते हैं। उसके 3 और बच्चे, उनके पिता भूखे-प्यासे पहाड़ी पर एक गुफा में फंसे हैं।

फिसलन के बीच 8 घंटे का रेस्क्यू : हशीस ने बताया- वायनाड में लैंडस्लाइड वाले दिन शांता अपने बच्चे के साथ जंगल में दिखी। लेकिन उसने कहा कि वह सिर्फ घूम रही है। हमें पता था, वे भूखे थे और जंगल में अंदर जाने की तैयारी में थे। दो दिन बाद वे लोग फिर दिखाई दिए। इस बार वे हमें देखकर भागे नहीं। उनकी हालत भूख से खराब हो चुकी थी। पूछने पर शांता ने बताया कि उसका परिवार पहाड़ी पर एक गुफा में फंसा हुआ है। हमने 4 लोगों की टीम बनाई। भारी बारिश के बीच फिसलन भरी और खड़ी चट्टानों से होकर टीम ने 8 घंटे की कोशिश के बाद इन्हें निकाला। फिसलन भरी चट्टानों पर चढ़ने के लिए पेड़ों से रस्सियां बांधनी पड़ीं। जब हम गुफा के पास पहुंचे तो तीन बच्चे और एक शख्स वहां बैठे हुए थे। हमने उन्हें अपने पास बुलाया। वे सामने नहीं आ रहे थे। काफी समझाने के बाद उनके पिता हमारे साथ आने के लिए राजी हो गए। हमारे पास सिवाय रस्सी के कुछ नहीं था। एक चादर के तीन टुकड़े करके हमने बच्चों को अपने शरीर से बांध लिया और वापस अपनी यात्रा शुरू कर दी। कैंप तक आने में करीब साढ़े 4 घंटे लग गए।

रेस्क्यू टीम ने हथेली में भरकर पानी पिलाया, शरीर से बांधकर पहाड़ से उतारा

बाहरी लोगों से बातचीत करने से बचते हैं : हशीस ने बताया- पनिया समुदाय के ये लोग बाहरी लोगों से बातचीत करने से बचते हैं।

मिट्टी बचाने को साइकिल से 30 हजार किमी की यात्रा

22 साल के मोहित निरंजन पहुंचे प्रयागराज, गांव-गांव देते हैं उर्वरा शक्ति बचाने का संदेश

प्रयागराज। ललितपुर के मसोरा गांव के रहने वाले मोहित निरंजन(22) ने मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बचाने का संदेश लेकर भारत भ्रमण पर निकल पड़े हैं। उनकी यह यात्रा साइकिल से हो रही है। 30,000 किलोमीटर की यह यात्रा कई राज्यों से होकर प्रयागराज पहुंची है। वह अकेले साइकिल से चल रहे हैं, कभी गांवों में किसानों के बीच पहुंचते हैं, तो कभी स्कूल और कॉलेज में छात्र–छात्राओं के बीच पहुंचकर उन्हें उर्वरा शक्ति बढ़ाने के बारे में समझा रहे हैं। अभी तक करीब 14000 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर ली है।

किसान पिता से प्रेरणा लेकर निकले मुहिम पर

मोहित निरंजन ने बताया–उनके पिता प्रभुदयाल निरंजन किसान हैं। दो भाइयों में मोहित छोटे हैं। पिता चाहते थे कि हम किसान न बनें बल्कि अच्छी नौकरी करें। इसी उद्देश्य उन्होंने मेरा एडमिशन कोलकाता में करा दिया था। 21 मार्च 2022 में हमने वहां से ग्रेजुएशन कंप्लीट किया। मोहित कहते हैं "वह पिताजी के साथ खेतों में जाते रहे, कड़ी मेहनत के बाद भी वहां पैदावार न होने से बड़ी निराशा होती थी और घाटा होता था.. इसके बाद हमने एक दिन निर्णय लिया कि इस मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए वह काम करेंगे। बस 16 नवंबर 2022 को हम साइकिल पर सवार होकर निकल पड़े अपने मिशन पर।"

सद्गुरु से मिली प्रेरणा, सोशल मीडिया से सहयोग

मोहित ने बताया–ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरू से उन्हें यह करने की प्रेरणा मिली। सोशल मीडिया के जरिए उन्हें हर जगह सहयोग मिल रहा है। बक्सर के बाद वाराणसी पहुंचे और प्रयागराज आए। यहां से वह अयोध्या, गोरखपुर तक जाएंगे। इसके बाद यहां अन्य राज्यों तक पहुंचेंगे। मार्च 2025 तक यह यात्रा पूरी होने की संभावना है। साइकिल से ही वह यह पूरी यात्रा करेंगे। लोग उनके रहने आदि की प्रबंध कर देते हैं। आखिरी पड़ाव तमिलनाडु के कोयंबटूर में होगा।

प्रयागराज के युवक की भोपाल में ट्रेन से कटकर मौत

चलती ट्रेन के दरवाजे पर खड़े थे, अचानक से नीचे गिरे, परिजनों में मचा कोहराम

मेजा। गुजरात के मोरबी से ट्रेन में बैठकर प्रयागराज के मेजा में घर आ रहे युवक की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। भोपाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी है। परिजन शव लेने के लिए रवाना हुए हैं। घटना को लेकर परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल हो गया है। मेजा कोतवाली क्षेत्र के सलैया कला के रहने वाले राजेंद्र प्रसाद यादव (38) पुत्र भोला नाथ यादव गुजरात के मोरबी स्थित पेपर मील कम्पनी में बतौर ऑपरेटर पद पर कार्यरत थे। वह घर आने के लिए ट्रेन में बैठे थे। इस दौरान भोपाल पहुंचने पर ट्रेन के दरवाजे के पास खड़े थे। तभी अचानक ट्रेन से नीचे गिर गए। इससे ट्रेन से कटकर उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उनकी बॉडी तीन पार्ट में कट गई। स्थानीय भोपाल पुलिस ने मौके पर पहुंच मृतक की जेब से आधार कार्ड बरामद कर शव की शिनाख्त की। इसके बाद परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। इसकी जानकारी पर पूरे गांव में मातम छाया हुआ है। परिजन सूचना पर शव लेने के लिए भोपाल रवाना हो गये है। समाचार लिखे जाने तक परिजन भोपाल नहीं पहुंचे थे।

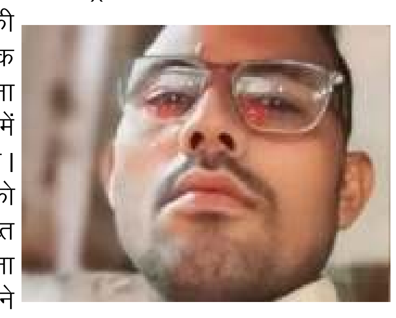

प्रयागराज में उफनाई नदी में बहे बुजुर्ग की तलाश जारी

मेजा। प्रयागराज के मेजा में कोराव थाना क्षेत्र के गड़िया मुरलीपुर गांव में बीते गुरुवार की शाम 6 बजे के आसपास चेक डैम पार करते समय बाढ़ के पानी में बह गए बुजुर्ग का शुक्रवार की शाम तक कोई सुराग नहीं लग सका। इससे परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल हो गया है।

समान खरीद कर लौट रहा बुजुर्ग नदी के बहा : मिली जानकारी के मुताबिक, राम गति पुत्र चेंदुल (62) निवासी गड़िया मुरलीपुर थाना कोरांव गांव में ही चेकडैम पार कर किसी दुकान पर सामान खरीदने के लिए गए थे। वह दुकान से सामान खरीद कर घर वापस आ रहे थे कि चेकडैम पार करते समय अचानक बाढ़ के पानी में शेवटी नदी में बह गए। जानकारी पर गांव में अफरा–तफरी मच गई। इलाकाई पुलिस और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लेकिन देर रात तक बुजुर्ग का कोई सुराग नहीं लग सका।

दूसरे दिन भी बुजुर्ग लापता : दूसरे दिन सुबह से ही इलाकाई पुलिस और गोताखोरों की टीम नदी में बहे बुजुर्ग की खोजबीन में लगे रहे। लेकिन बुजुर्ग का कोई सुराग नहीं लग सका। वहीं एनडीआरएफ की टीम बुलाने को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस के प्रति कड़ी नाराजगी जाहिर की है।

तीसरे दिन भी तलाश जारी : वहीं शनिवार सुबह तीसरे दिन भी स्थानीय गोताखोर नदी में बहे बुजुर्ग की तलाश में सुबह से जुटे रहे। गोताखोर नदी के कोने–कोने में बुजुर्ग की खोज कर रहे हैं। लेकिन अभी तक बुजुर्ग का पता नही लग सका है।

बहाव के चलते दूर–दूर तक जाल बिछाने की तैयारीः ग्रामीणों की कड़ी नाराजगी एवं पुलिस से नोकझोंक के बाद अब नदी में दूर–दूर तक जाल बिछाने की तैयारी की जा रही है। गोताखोरो की सात सदस्यीय टीम लगातार खोजने में लगी है। मामले मे कोराव के अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक शैलेश सिंह ने बताया की बुजुर्ग की तलाश कराई जा रही है। अभी सुराग नही लग पाया है।

हाईकोर्ट कर्मी की पत्नी का दुपट्टा खींचते वकील का वीडियो वायरल, कर्मचारी संघ ने जताया आक्रोश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के गेट नंबर 8 के सामने शुक्रवार को हाईकोर्ट कर्मचारी की पत्नी का दुपट्टा खींचते वकील का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस घटना को लेकर हाईकोर्ट मिनिस्टीरियल ऑफिसर एसोसिएशन ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को पत्र लिखकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, बार ने आरोपी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हाईकोर्ट कर्मचारी की पत्नी अपने पति को हाईकोर्ट छोड़ने के लिए आई थी। जब वह अपने पति को छोड़कर लौट रही थी तो उसकी स्कूटी एक वकील की कार से टकरा गई। इसे लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। जिसमें वकील और महिला के बीच बहस हो रही है। इसी बीच वकील महिला को धक्का देते हुए उसका दुपट्टा खींचते हैं।

इस घटना को लेकर हाईकोर्ट मिनिस्टीरियल ऑफिसर एसोसिएशन ने कड़ी नाराजगी जताई है। कहा कि वकील ने महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाया है। महिला जमीन पर गिर गई और उसे चोटें भी आई हैं। ऑफिसर एसोसिएशन ने पत्र जारी किया है, जिसमें आरोपी वकील का नाम रामबहादुर गुप्ता बताया गया है। वकील पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

डीसीपी को घटना का वीडियो एक्स पर पोस्ट किया

वकील और महिला के बीच हुई घटना का वीडियो एक्स पर डीसीपी प्रयागराज को पोस्ट करते हुए कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं, डीसीपी ने पोस्ट का संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी कैंट को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 5 कोर्सो में एडमिशन शुरू

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स के आज 3 अगस्त से एडमिशन शुरू हो रहा है।अभ्यर्थी 8 अगस्त तक एडमिशन ले सकते हैं। M–A मास कम्युनिकेशन में 5 अगस्त से एडमिशन की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके कट ऑफ की सूची इलाहाबाद विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है।

इलाहाबाद डिग्री कॉलेज का कट ऑफ जारी : एडीसी (इलाहाबाद डिग्री कॉलेज) ने पीजी के 7 पाठ्यक्रमों का कट ऑफ जारी कर दिया है। 5 अगस्त से एडमिशन शुरू होंगे। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अतुल कुमार सिंह ने बताया कि एडीसी कीडगंज परिसर में प्रवेश होंगे।

अर्थशास्त्र विषय में 120 अंक, भूगोल में 130 अंक, हिंदी में 80 अंक, आधुनिक एवं मध्यकालीन इतिहास विषय में 100 अंक, राजनीति विज्ञान में 140 अंक, एमएससी मैथ्स व भौतिक विज्ञान में 125 अंक कटऑफ जारी किया गया है।

6 अगस्त से होगी बीएड की काउंसिलिंगः इलाहाबाद विश्वविद्यालय की परास्नातक प्रवेश परीक्षा के आधार पर बीएड पाठ्यक्रम में एडमिशन के लिए 6 अगस्त से काउंसिलिंग शुरू होगी। यह काउंसिलिंग केपी ट्रेनिंग कॉलेज में होनी है। प्राचार्य प्रो. अंजना श्रीवास्तव ने बताया कि कला स्ट्रीम का कट ऑफ 134 अंक है जिसमें 6 अगस्त को प्रवेश होंगे। विज्ञान स्ट्रीम का कट ऑफ 128 और कॉमर्स स्ट्रीम का कट ऑफ 81 अंक है, इसके लिए 7 अगस्त को एडमिशन होंगे और एडमिशन की प्रक्रिया 13 अगस्त तक जारी रहेगी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद केस में मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाएगा

हिन्दू पक्ष की कैविएट, स्टे से पहले हमारा पक्ष जरूर सुने

प्रयागराज। मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया। हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद पर दाखिल हिंदू पक्ष की 18 याचिकाओं को हाईकोर्ट ने सुनने योग्य माना है। लगातार सुनवाई, जिरह, दस्तावेजों की पेशी, हलफनामे के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर शाही ईदगाह कमेटी के वकील महमूद प्राचा ने सवाल उठाए। कहा – सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी जाएगी।

हिन्दू पक्ष ने पहले ही सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल की

दूसरी तरफ हिन्दू पक्षकारों में शामिल आशुतोष पांडेय ने पहले ही सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लिया है। हिन्दू पक्ष के पक्ष में फैसला आने के बाद वादकारियों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर दी है। इन वादकारों ने कहा है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले पर हाईकोर्ट ने जो फैसला दिया है, यदि उसके खिलाफ कोई याचिका आती है तो बिना वादकारों को सुने कोई स्टे या आदेश जारी न किया जाए।

ये फैसला वर्शिप एक्ट का उल्लंघन

शाही ईदगाह कमेटी के वकील महमूद प्राचा ने कहा– हाईकोर्ट का फैसला वर्शिप एक्ट, वक्फ एक्ट और लिमिटेशन एक्ट का खुला उलंघन है। हाईकोर्ट के फैसले को जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। इस केस का ट्रायल हम अयोध्या और ज्ञानवापी की तरह से नहीं होने देंगे। चाहे जितनी भी विपरीत प्रस्थितियां होंगी, लेकिन हम शार्ट कट में नहीं बल्की प्रॉपर तरीके से पूरा ट्रायल कराएंगे। पिछले 11 सालों से देश के सभी संस्थान दबाव में हैं। दूसरी तरफ हिन्दू पक्षकारों के वकीलों ने कहा है कि वह हाईकोर्ट से अपील करेंगे कि मामले की सुनवाई जल्द शुरू हो।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में क्या कहा

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद पर दाखिल हिंदू पक्ष की 18 याचिकाओं को हाईकोर्ट ने सुनने योग्य माना है। जज ने कहा– हिंदू उपासकों और देवताओं के वाद सुनवाई के योग्य माना जाता है। हिंदू उपासकों, देवता संबंधित वाद पर पूजा स्थल अधिनियम के तहत रोक नहीं है। ऐसे वाद न सुनना अनुचित होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने प्रबंध समिति ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह (मथुरा) की दी गई दलील भी खारिज कर दी कि हाईकोर्ट में लंबित वादों पर पूजा स्थल अधिनियम 1991, परिसीमा अधिनियम 1963 और विशिष्ट राहत अधिनियम 1963 के तहत रोक है।

7 लोगों ने दाखिल की हैं 18 याचिकाएं : 18 याचिकाएं भगवान श्री कृष्ण विराजमान और 7 अन्य लोगों ने वकील हरिशंकर जैन, विष्णु शंकर जैन, प्रभाष पांडेय और देवकी नंदन के जरिए दायर की गईं हैं। इस केस में हिन्दू वादियों का प्रतिनिधित्व एडवोकेट हरि शंकर जैन, विष्णु शंकर जैन, रीना एन सिंह, महेंद्र प्रताप सिंह, अजय कुमार सिंह, हरे राम त्रिपाठी, प्रभाष पांडे, विनय शर्मा, गौरव कुमार, राधेश्याम यादव, सौरभ तिवारी, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, आशीष कुमार श्रीवास्तव, अश्विनी कुमार श्रीवास्तव और आशुतोष पांडे ने किया।

घटना के वक्त विधानसभा में मौजूदगी तो आरोपी कैसे

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उठाए सवाल, एटा में नाबालिग से दुराचार का मामला, सपा विधायक पर आरोप

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एटा पुलिस की विवेचना पर सवाल खड़ा कर दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि कोई विधायक जब विधानसभा में मौजूद था तो वह घटनास्थल पर कैसे हो सकता है। हाईकोर्ट ने एटा के कोतवाली नगर में दर्ज पाक्सो एक्ट, एससीध एसटी एक्ट, जानलेवा हमले के मुख्य आरोपी सपा विधायक सहित सह अभियुक्तों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने वाले पुलिस विवेचना अधिकारी से सफाई मांगी है। कोर्ट ने कहा कि घटना के समय मुख्य आरोपी विधायक रामेश्वर सिंह यादव विधानसभा लखनऊ में मौजूद थे तो वह इस निष्कर्ष पर कैसे पहुंचे कि उसी समय वह एटा में नाबालिग से दुराचार कर रहे थे। कोर्ट ने पूछा कि कैसे चार्जशीट दाखिल कर दी गई। कोर्ट ने आरोपी सह अभियुक्त प्रमोद यादव व दो अन्य के खिलाफ पुलिस उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। याचिका की अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा तथा न्यायमूर्ति आर एमएन मिश्र की खंडपीठ ने प्रमोद यादव व अन्य की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है।

राजनीतिक दुश्मनी के कारण फंसाने का आरोप

याची का कहना है कि वे निर्दोष है। राजनीतिक दुश्मनी के कारण झूठा केस दर्ज किया गया है। इसलिए 7 नवंबर 23 की एफआईआर रद्द की जाय। तर्क में कहा कि वह सह अभियुक्त है। पीड़िता प्लांटेड है। मुख्य अभियुक्त विधायक रामेश्वर सिंह यादव व जुगेंद्र सिंह यादव के दुश्मनों ने फर्जी साक्ष्य गढ़े हैं। पीड़िता के एक आधार कार्ड में जन्म तिथि 1 जनवरी 1997 दर्ज है और पति लाखन सिंह का नाम लिखा है। नवंबर 2016 मे जन्मा उसके एक बच्चा भी है। जिसका नाम नितिन कुमार है। दूसरा आधार कार्ड बनवाया गया जिसमें पति का नाम हटा दिया गया और जन्म तिथि 1 जनवरी 2000 दर्ज कराई। घटना के 7 साल 10 माह बाद 7 नवंबर 23 को एफआईआर दर्ज की गई है। 29 जनवरी 16 की सुबह 9.30 बजे की घटना बताई गई है। मुख्य अभियुक्त उसी समय विधानसभा में उसकी मौजूदगी दर्ज है। एटा से लखनऊ की दूरी 370 किमी है। मुख्य अभियुक्त का अपराध कर लखनऊ पहुंच पाना असंभव है। जिस पर कोर्ट ने विवेचना अधिकारी से हलफनामा मांगा कि कैसे जाने कि मुख्य अभियुक्त विधायक एटा में मौजूद थे। जबकि विधानसभा में रजिस्टर में उनका नाम उपस्थिति में दर्ज है।

कोहरा नहीं बनेगा बाधा, महाकुंभ के मद्देनजर इस बार सर्दियों में निरस्त नहीं होंगी ट्रेनें

प्रयागराज महाकुंभ मेले को देखते हुए रेलवे प्रशासन इस बार सर्दी में प्रयागराज से चलने वाली किसी भी ट्रेन को निरस्त नहीं करेगा। ऐसे में प्रयागराज संगम, रामबाग और प्रयागराज जंक्शन से चलने वाली तमाम ट्रेनें करीब तीन माह के लिए निरस्त नहीं होंगी। रेलवे हर वर्ष संभावित कोहरे को देखते हुए दर्जनों ट्रेनों को तीन माह के लिए निरस्त करता है। इस दौरान कुछ के फेरे कम किए जाते हैं तो कुछ का आंशिक निरस्तीकरण किया जाता है। यहां से चलने वाली प्रयागराज संगम–चंडीगढ़ ऊंचाहार एक्सप्रेस, प्रयागराज संगम–योगनगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस, प्रयागराज–बरेली एक्सप्रेस, प्रयागराज रामबाग–मुजफ्फरपुर बापूधाम एक्सप्रेस, प्रयागराज–चोपन एक्सप्रेस, कानपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस आदि ट्रेनें हर वर्ष कोहरे की वजह से निरस्त की जाती हैं। निरस्तीकरण एक दिसंबर से 28 फरवरी तक होता है। वहीं, महाकुंभ को देखते हुए रेलवे ने इस बार तकरीबन 1200 स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी की है। प्रयागराज संगम से चलने वाली किसी भी ट्रेन को निरस्त नहीं किया जाएगा। प्रयास किया जा रहा है कि लंबी दूरी की कुछ और ट्रेनों का भी निरस्तीकरण न किया जाए। – शोभुन चौधुरी, महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे

महाकुंभ के दौरान प्रयागराज जंक्शन से चलने वाली ट्रेनों को निरस्त नहीं करने की तैयारी है। जो ट्रेनें दूसरे जोनल रेलवे की हैं उन्हें निरस्त न करने का निर्णय रेलवे बोर्ड लेगा। – हिमांशु बडोनी, डीआरएम, प्रयागराज

मौसम से लड़कर दोगुना उत्पादन देंगी धान-गेहूं की नई किस्में, 15 से 20 दिन कम समय में होंगी तैयार

प्रयागराज। मौसम से लड़कर गेहूं और धान की नई प्रजातियां दोगुना उत्पादन देंगी। यह कमाल शुआट्स के वैज्ञानिकों ने किया है। शुआट्स के कृषि वैज्ञानिकों ने दो प्रजातियां विकसित करने में सफलता हासिल की हैं। इन फसलों के उत्पादन में एक पखवाड़े से लेकर 20 दिन का समय बचेगा। प्रयागराज में फसलों के उत्पादन पर मौसम का प्रभाव पड़ता है। यहां गर्मी में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस और जाड़े में तीन डिग्री से भी नीचे चला जाता है। इस कारण मौसम का उत्पादन और और समय प्रबंधन पर असर पड़ता है।

बिजली कटौती के विरोध में कांग्रेसियों का प्रदर्शन

प्रयागराज में कलेक्ट्रेट पहुंचकर बिजली विभाग और सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

प्रयागराज। अघोषित बिजली कटौती को लेकर शनिवार को कांग्रेसियों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुचें जिला कांग्रेस के पदाधिकारी और नेताओं ने पावर कॉरपोरेशन और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर सिटी मजिस्ट्रेट के द्वारा राज्यपाल को पत्र भेजा। इस दौरान नेताओं ने विभागीय अधिकारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। जिलाध्यक्ष सुरेश यादव ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से बिजली विभाग द्वारा झूंसी, नैनी, फफामऊ के घनी आबादी वाले इलाकों में रोजाना अघोषित कटौती की जा रही है। इससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी के जिला शहर कमेटी के प्रवक्ता हसीब अहमद ने बताया की पुराने शहर के मोहम्मद अली पार्क, रामबाग, करैला बाग, कल्याणी देवी, करेली, ट्रांसपोर्ट नगर के उप खण्ड से क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती के कारण लोगों का बुरा हाल है। जिससे व्यापारियों का काम काज सबसे ज्यादा प्रभावित है। वहीं शहर के कुछ क्षेत्रों में बिजली कटौती से पीने के पानी की किल्लत है। कांग्रेसियों ने चेतावनी दी कि अगर शीघ्र ही कटौती बंद नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जायेगा। इस दौरान संजय तिवारी, हसीब

प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया की उप समिति की शानदार बैठक संपन्न

प्रिंट मीडिया नियमावली में संशोधन कर पत्रकारों को विशेष पैकेज दिया जाए- डॉ. डी. डी. मित्तल

देहरादून।विज्ञापन नीति को लेकर प्रेस काउंसिल आफ इंडिया की सब कमेटी की चार सदस्यीय टीम श्री गुरिंदर सिंह वरिष्ठ सदस्य, एवं संयोजक भारतीय प्रेस परिषद, के नेतृत्व में उत्तराखंड में दिनांक 29 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक देहरादून में संपन्न हुई । बैठक में पत्रकारों की समस्याओं को सब कमेटी ने गम्भीरता से सुना और समझा उसके पश्चात सूचना विभाग से पत्रकारों की समस्याओं के समाधान हेतु बैठक कर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस कमेटी के मुख्य सदस्यों में सर्वश्री प्रोफेसर जीएस राजपूत, श्याम सिंह जी पंवार , श्रीमती आरती त्रिपाठी के अलावा गौरव खरे,संयुक्त निदेशक मौजूद रहे। प्रोफेसर जे एस राजपूत ने वेबिनॉर के माध्यम से प्रतिभाग किया।

30 जुलाई 2024 को मीडिया सेंटर के सभागार में सभी पत्रकारों एवं प्रेस काउंसिल आफ इंडिया के स्टेक होल्डर के साथ बैठक हुई।इसमें स्टेक होल्डर के रूप में इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रेस ऐन मीडियामेन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन सहयोगी, अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश चंद्र शुक्ल ,एवं अशोक नवरत्न ,पूर्व सदस्य प्रेस काउंसिल ऑफ इंडियाध्राष्ट्रीय महासचिव, ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूजपेपर फेडरेशन, ने अपनी सहभागिता प्रस्तुत की।।कार्यक्रम में श्री के डी चंदोला पूर्व सदस्य, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया भी उपस्थित हुए। बैठक संचालन कार्यवाही प्रारंभ होने के साथ सर्वप्रथम डॉ. डी डी मित्तल राष्ट्रीय महासचिव, इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रेस ऐन मीडियामैन ने अपना वक्तव्य करीब आठ बिंदुओं पर प्रस्तुत किया, और यह सभी बिंदु बहुत ही प्रभावशाली एवं आवश्यक बिंदु थे , अन्य वक्ताओं ने भी इन्हीं बिंदुओं पर करीब करीब अपना मंतव्य रखा।

31,जुलाई,2024 को प्रेस काउंसिल आफ इंडिया की सब कमेटी, विभाग के प्रमुख अधिकारी,महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी , आशीष त्रिपाठी ,अपर निदेशक सूचना, , रवि बिजारनिया उपनिदेशक एवं अन्य अधिकारियो के साथ बैठक की । जिसमें सब कमेटी की बैठक में उठाए गए सभी बिंदु पर विस्तृत वार्ता हुई ,और वार्ता के दौरान महानिदेशक सूचना ने सभी बिंदुओं को गम्भीरता से सुना और अति शीघ्र कार्यवाही का भरोसा भी दिलाया ।

सब कमेटी की बैठक के पश्चात प्रेस काउंसिल आफ इंडिया के स्टेक होल्डर्स की बैठक भी महानिदेशक सूचना,अपर निदेशक सूचना एवं संयुक निदेशक, उपनिदेशक सूचना के साथ हुई, और इस बैठक में डॉक्टर डी डी मित्तल द्वारा ज्ञापन की एक प्रति महानिदेशक सूचना को उपलब्ध करा कराई तथा सभी अधिकारियों से स्टेकहोल्डर्स का परिचय कराया इसमें सर्वश्री पवन सहयोगी राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशनऑफ प्रेस ऐन मीडियामैन, अखिलेश चंद्र शुक्ल, अशोक नवरत्न, राष्ट्रीय महासचिव,ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूजपेपर फेडरेशन मौजूद रहे। सभी पदाधिकारियों ने पहाड़ एवं दूर दराज के पत्रकारों की समस्याओं पर विशेष बल दिया और यह भी अनुरोध किया कि अगर आवश्यक हो तो प्रिंट मीडिया नियमावली में संशोधन करते हुए पत्रकारों को विशेष पैकेज अथवा संशोधित विज्ञापन दर दी जाए । डॉ . मित्तल ने उत्तराखंड पत्रकार कल्याण कोष एवं मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना की बैठक भी यथा शीघ्र आहूत करने हेतु अनुरोध किया। इस पर महानिदेशक सूचना से अनुरोध किया गया तथा महानिदेशक सूचना ने सभी बिंदुओं पर कार्रवाई करने का भरोसा भी दिया ।

वृक्षारोपण के महत्व पर डॉक्टर अलका प्रकाश ने रखे अपने विचार

प्रयागराज। प्रोग्रेसिव लिटरेरी एवं कल्चरल सोसाइटी के तत्वावधान में निजामाबाद,आजमगढ़ में पौधारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामवासियों को पौधों के महत्व से परिचित करवाया गया ।यह वृक्षारोपण प्रोग्रेसिव लिटरेरी एवं कल्चरल सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ शमेनाज बानो के निर्देशन में हुआ ।इस कार्यक्रम में संगठन की सक्रिय कार्यकर्ता डॉ अलका प्रकाश ने भी वृक्षारोपण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये ।इस कार्यक्रम में हिन्दी विभाग,प्रो राजेंद्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के शोध छात्र अमित कुमार यादव ने भी सहयोग किया।

मुथूट माइक्रो फाइनेंस कम्पनी के सेल्समैन को लूटने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

प्रतापगढ़। कोहड़ौर थाना क्षेत्र के खुशहाली गॉव के पास नहर किनारे बीते मंगलवार को मुथूट माइक्रो फाइनेंस कम्पनी के सेल्समैन को तंमचे के बल पर बदमाशों ने 88 हजार रू0 लूट लिया था। कोहड़ौर पुलिस की दूसरे दिन यानी शनिवार को बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। जिसमें तीन बदमाश गिरफ्तार किये गए। पकड़े गये बदमाशों निक्की उर्फ आशीष पुत्र सुरेश सरोज व शिवम विश्वकर्मा पुत्र सुनील कुमार निवासी मामूली कोहड़ौर तथा हिमांशू पुत्र धनश्याम कन्नौजिया निवासी नरहरपुर कोहड़ौर को पुलिस ने जेल भेज दिया। बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने लूट के मोबाइल, नकदी समेत तमंचा, दो बाइक बरामद किया है।

कूटरचित दस्तावेज के सहारे धोखाधड़ी करने वाले तीन शातिर हुए गिरफ्तार

प्रतापगढ़। अंतू थाने के गड़वारा चौकी इंचार्ज राकेश चौरसिया ने शरिवार को तीन जालसाझ शातिरों को धर दबोचा। शतिरों ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर पीड़ित कड़ेदीन पाठक खैरा गौरबारी अंतू के नाम पर बैंक से लोन ले लिया। जानकारी होने पर पीड़ित ने शातिरों से शिकायत की तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। मामला दर्ज होने पर गड़वारा चौकी इंचार्ज राकेश चौरसिया ने शनिवार को तीन जालसाझों दीपक पाठक पुत्र राज नारायण बनवीरपुर संग्रामगढ़, जंग बहादुर यादव पुत्र राम नरेश महमदापुर अंतू तथा दिनेश प्रताप सिंह पुत्र अमर बहादुर सिंह प्रताप नगर कटरारोड़ कोतवाली नगर को गिरफ्तार कर लिया। एसओ अंतू जीतेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार तीनों जालसाझों को जेल भेज दिया गया है।

पाक्सो अदालत ने दुष्कर्मी को सुनाई अर्थदण्ड के साथ बीस वर्ष कैद की सजा

प्रतापगढ़। पाक्सो अदालत ने शनिवार को पर्याप्त सबूत होने पर आरोपी झल्लर पुत्र खुन्नू लाल निवासी नामदेवपुर बाघराय को बीस वर्ष की सजा सुनाई। इसके अलावा बीस हजार रू0 के अर्थदण्ड से भी दण्डित किया है। बाघराय थाने में पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। विशेष लोक अभियोजक देवेश चन्द्र त्रिपाठी, अशोक कुमार तिवारी ने कोर्ट में बहस की। मामले की विवेचना थानाध्यक्ष संजय कूमार पांडे व पैरोकारी नीरज कुमार ने की।

विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में सपा पदाधिकारी अगस्त क्रांति दिवस पर चलाएंगे सदस्यता अभियान

प्रतापगढ़। शहर स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शनिवार को पार्टी पदाधिकारियों की बैठक हुई। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष गुलशन यादव व संचालन अब्दुल कादिर जिलानी ने किया। पार्टी के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष गुलशन यादव ने बताया कि पार्टी की मजबूती के लिए सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गिरी के नेतृत्व में 9 अगस्त (अगस्त क्रांति दिवस) से सदस्यता अभियान शुरू होगा। जो 10 सितंबर तक चलेगा। छात्र नौजवान जागरूकता अभियान के तहत विश्वविद्यालय और महाविश्वविद्यालय में कार्यक्रम होंगे। जिसमें शिविर, छात्र सम्मेलन, शिक्षक समारोह सम्मेलन, वर्तमान राजनीति में छात्र–छात्राओं एवं युवाओं की भूमिका पर संगोष्ठी, मेधावी छात्र–छात्राओं का सम्मान जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिसमें युवजन सभा जिला अध्यक्ष, लोहिया वाहिनी जिला अध्यक्ष, छात्र सभा जिला अध्यक्ष प्रतिभाग करेंगे। जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों का उत्पीड़न कर रही है। उपाध्यक्ष आशुतोष पांडे ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अभी हाल में पास किये गए नजूल बिल से सरकारी जमीन फ्री होल्ड हो जाएंगे। मौजूदा सरकार उस जमीन को अपने बड़े–बड़े कोऑपरेटिव दोस्तों को गिफ्ट करेगी। इस को बिल वापस कराने के लिए आंदोलन करना है। महिला सभा जिला अध्यक्ष शांति सिंह ने कहा कि महिलाएं समाजवादी पार्टी को मजबूत करेंगी। बैठक में गुलफाम खान, जावेद खान, रमेश पाठक, रामधन यादव, उमंग यादव, शफात अहमद, राजेश यादव, निसार अहमद, मनीष पाल, संदीप पटेल, अहमद अली, साबिर अली, हरीश शुक्ला, अब्दुल हाई, धर्मराज सिंह लालू, उर्मिला यादव, महिमा गुप्ता, रईस अहमद, तबारक इदरीसी, अमीरुल हसन, विनय सिंह, दीपक यादव, धीरेंद्र यादव, राकेश सरोज, अंकुर मौर्य, प्रदीप यादव व पार्टी मीडिया प्रभारी वकार अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

बेल्हा के मदन मोहन मालवीय थे मुनीश्वर दत्त उपाध्याय–अरूण कुमार शुक्ल

प्रतापगढ़। जगदीश नारायण इंटरमीडिएट कॉलेज ढिंगवस प्रतापगढ़ में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जनपद के शिक्षा जगत के मालवीय पंडित मुनीश्वर दत्त उपाध्याय जी का जन्म दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गयास विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण कुमार शुक्ल ने दीप जलाकर मां सरस्वती की प्रतिमा सहित पंडित मुनीश्वर दत उपाध्याय एवं उनके सहयोगी पूर्व विधायक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित रामराज शुक्ला के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने स्वागत गीत , मां सरस्वती वंदना, गायन, नृत्य सहित कई विधाओं के अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य अरुण कुमार शुक्ल व संचालन विद्यालय के अध्यापक धीरेंद्र कुमार यादव ने किया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रधानाचार्य अरुण कुमार शुक्ला ने पंडित मुनीश्वर दत्त उपाध्याय के व्यक्तित्व एवम कृतित्व पर चर्चा करते हुए उनके विचारों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियां पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सबको पंडित जी के आदर्श एवं विचारों से प्रेरणा लेकर उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलकर अपने जनपद समाज एवं राष्ट्र का विकास करना चाहिए स कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोगों सहित जनपद शिक्षा के मनीषी उपस्थित रहे जिनमें ओमप्रकाश त्रिपाठी लोकमनि मिश्रा पवन कुमार मिश्रा अनिल कुमार त्रिपाठी धीरेंद्र कुमार यादव श्रीमती नीलिमा कुमारी वंदना त्रिपाठी वैभव मिश्रा कमलेश त्रिपाठी राजाराम वर्मा हरकेश शुक्ला नरेंद्र यादव विवेक धुरिया कुलदीप त्रिपाठी हरीश मिश्रा आदि की गरिमामय उपस्थि रही।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पट्टी में डीएम एवं एसपी ने सुनी शिकायतें, 07 मामलों का मौके पर किया निस्तारण

शिकायतकर्ता की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुने और जल्द से जल्द शिकायत का निस्तारण करायें–जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में तहसील पट्टी में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। पट्टी तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 226 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से राजस्व विभाग की 07 शिकायतें इस प्रकृति की पायी गयी जिनका मौके पर निस्तारण कर दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 226 शिकायतों में से 82 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 48, विकास विभाग से 26, समाज कल्याण से 08, शिक्षा से 05, स्वास्थ्य से 02 एवं 55 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार एवं विकास विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा द्वारा सुना गया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतकर्ता भागीरथी निवासी ग्राम उड़ैयाडीह ने शिकायत किया कि प्रार्थी अपने हिस्से की भूमि में अरहर की फसल बो रखा था जिसे प्रार्थी के भाई महेन्द्र कुमार ने बोई गई अरहर की फसल को जबरन जोतवाकर धान की रोपाई करवा दी, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी पट्टी एवं एसएचओ पट्टी को निर्देशित किया कि जांच कर नियमानुसार कार्यवाही की जाये। शिकायतकर्ता राहुल रजक निवासी ग्राम मुनीपुर ने शिकायत किया कि प्रार्थी की भूमिधरी भूमि में सभासद सन्तोष कुमार यादव द्वारा अवैध रूप से रास्ता बनवा दिये जिसके सम्बन्ध में लेखपाल, राजस्व निरीक्षक व उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी पट्टी एवं एसओ आसपुर देवसरा को निर्देशित किया कि जांच कर नियमानुसार कार्यवाही की जाये।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सप्लाई इन्सपेक्टर को निर्देशित किया कि आपूर्ति विभाग के तहत राशन कार्ड की जो भी शिकायतें आयी है उसकी पात्रता की जांच कराकर एक सप्ताह के अन्दर रिपोर्ट उपलब्ध करायी जाये। राजस्व विभाग की प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि लेखपाल एवं कानून–गो मौके पर जाकर बिना किसी पक्षपात के जमीन सम्बन्धी प्रकरण की जांच करें तथा शिकायतों का त्वरित निराकरण करायें जिससे राजस्व शिकायतों का निस्तारण हो सके और शिकायतकर्ता सन्तुष्ट हो सके। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों, लेखपालों एवं कानून–गो को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि शासन की मंशा अनुरूप शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने जन शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनकर उसका निस्तारण सम्बन्धित अधिकारियों को ससमय गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराने के निर्देश दिये। उन्होने निर्देशित किया कि थाने में कोई भी फरियादी अपनी समस्या लेकर आये तो उसके साथ सरलता पूर्वक व्यवहार किया जाये, उसकी शिकायत को गम्भीरतापूर्वक सुने और जल्द से शिकायकर्ता की शिकायत का निस्तारण करायें। उन्होने उपस्थित अधिकारियां से कहा कि वह अपने अधीनस्थों पर निर्भर न रहें बल्कि स्वयं निस्तारण की गुणवत्ता को देखें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि कार्यो में ढिलाई कदापि न बरती जाये, कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही को बहुत ही गम्भीरता के साथ लिया जायेगा, इसलिये सभी अधिकारीगण शासन की मंशा के अनुरूप सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित गति से किया जाये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान में पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय–सीमा के अन्दर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने पुलिस अधिकारियोंध्थानाध्यक्षकों को निर्देश दिया कि जो भी शिकायकर्ता अपनी शिकायत लेकर आयें उनकी शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुने, प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें और प्रत्येक दशा में पीड़ित को न्याय मिले। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी पट्टी तनवीर अहमद, तहसीलदार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा जगत के मालवीय व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं0 मुनीश्वर दत्त उपाध्याय की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में मनाई गई जयंती

प्रतापगढ़। जिले में शिक्षा जगत के मालवीय कहे जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं0 मुनीश्वर दत्त उपाध्याय की शनिवार को दर्जनों विद्यालयों में जयंती मनाई गई। स्व0 उपाध्याय जिले भर में दो दर्जन से अधिक विद्यालयों व महाविद्यालयों की स्थापना की। हर वर्ष तीन अगस्त को उनके द्वारा स्थापित विद्यालयों में जयंती कार्यक्रम बड़े सलीके से मनाया जाता है। शरिवार को शहर स्थित तिलक इण्टर कालेज में विद्यालयों के अध्यक्ष पं0 श्याम किशोर शुक्ल व कॉग्रेस नेता डा0 प्रशांत देव शुक्ल, डा0 नीरज त्रिपाठी की मौजूदगी में स्व0 उपाध्याय के व्यक्तित्व का बखान किया गया। चीफ गेस्ट श्याम किशोर शुक्ल ने बताया कि पंडित जी का व्यक्तित्व कालजयी था। उन्होंने पूरे देश में अपने व्यक्तित्व को विस्तारित किया। अपने स्वाभिमान से उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। वह जिले के प्रथम सांसद थे। संविधानसभा के वह सदस्य रहे। जिले में दर्जनों शिक्षण संस्थाओं की स्थापना कर उन्होंने शिक्षा का अलख जगाया। डा0 प्रशांत देव शुक्ल ने कहा कि पंडित जी का जन्म दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब शिक्षक संकल्प के साथ अनुशासन को संयमित कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य क निर्माण में अहम भूमिका अदा करें। कार्यक्रम का संयोजन प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम में आए कॉग्रेस जिलाध्यक्ष डा0 नीरज त्रिपाठी, डा0 लालजी त्रिपाठी, शीतला प्रसाद त्रिपाठी, श्याम शंकर मिश्र आदि ने स्व0 उपाध्याय के व्यक्तित्व पर अपने विचार रखे। इसी प्रकार जगदीश नारायण इंटर कालेज ढिंगवस में प्रधानाचार्य अरूण कुमार शुक्ल के अगुवाई में महान स्वतंत्रता सनानी की जयंती मनाई गई। शीतला प्रसाद इण्टर कालेज गड़वारा में प्रधानाचार्य विजय प्रकाश द्विवेदी, श्याम सजीवन तिवारी व दीपक कुमार ओझा की अगुवाई में स्व0 उपाध्याय की पर आयोजन हुए। रामराज इण्टर कालेज पट्टी में प्रधानाचार्य रमेश मिश्र की अगुवाई में जयंती मनाई गई। महाविद्यालय पट्टी, एमडीपीजी कालेज, इंटर कालेज रानीगंज, ऐलाही, सैफाबाद, मानधाता, गांधी इंटर कालेज सांगीपुर समेत कई इण्टर कालेजों में मुनीश्वरदत्त उपाध्याय की जयंती पर उन्हें याद किया गया। इस दौरान विद्यालयों के सभी स्टाफ व छात्र–छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर स्व0 उपाध्याय को याद किया गया।

संक्षिप्त

दुकान में लगी आग से लाखों के समान जले

प्रतापगढ़। शहर के राजकीय बालिका इंटर कालेज के बगल स्थित लल्लू पान वाले के रेडिमेड कपड़े की दुकान में बीती रात आग लग गयी। रात साढ़े दस बजे के आसपास लगी आग में लगभग तीन लाख के कपड़े जल कर खाक हो गए। पीडित लल्लू ने बताया कि शुक्रवार की रात दुकान बन्द करके जैसे ही घर पहुंचा था कि आग लगने की खबर हुई। भाग कर वापस पहुंचा तो दुकान में आग लगी थी। न्द्रूगज चौकी इंचार्ज की मदत से फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। पीड़ित ने बताया कि आग से दुकान में रखे कपड़े व नकदी समेत अन्य सामान सब कुछ जलकर राख हो गया ।दुकान में आग लगने पर लाखों का सामान जलकर हुआ खाक खाकबीती शाम लगभग10 00 बजे जीजीआईसी के बगल लल्लू पान वाले की रेडिमेड कपड़े की दुकान में अचानक आग लगने से लगभग 3 लाख के कपड़े जल कर खाक हो गए ।पीडित का कहना है कि शाम को दुकान बन्द करके जैसे ही घर पहुंच तुरन्त ही आग लगने की खबर पहुंची भाग कर वापस मौके पर पहुंचा तव तक मक न्द्रूगज चौकी इंचार्ज पहुंचकर फायर ब्रिगेड को बुला लिए थे दो फायर सर्विस की।

वी0 एस0 मेमोरियल पब्लिक स्कूल में मनाया गया सावन महोत्सव, बच्चों की सराहना

प्रतापगढ़। शहर स्थित वी0 एस0 मेमोरियल पब्लिक स्कूल में शनिवार को सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। विद्यालय के नौनिहाल भगवान शंकर तथा माता पार्वती का मनमोहक रूप धारण रखे थे। नौनिहाल आदिश्री, आद्विक , उर्वशी, तनिष्का, नैंसी, प्रियांशी, अनुप्रिया, शिव्या, धैर्य, नित्या, विशाखा, अर्पिता, अनाया, वेदिका, ईशान्वी, तन्मय, तनिष्क, वैष्णवी, अनवी, अयांश, शिवाय, अनाया, आराध्या, दृष्टि, इशिका, अदिति, प्राची, प्रिशा, अभिराज, शिवाय, शौर्य, कर्त्तव्य, राज, कार्तिक, नित्या, अयांश, रितिका, गुनगुन, साक्षी, भूमि, आरोही आदि ने माता पार्वती और देवाधि देव महादेव के धारण किये गए रुप की सराहना हुई। बच्चों ने शिव तांडव तथा समूह नृत्य की अनुपम प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम को भव्य बनाने में शिक्षिकाओं और प्रधानाध्यापिका का अहम रोल रहा। विद्यालय की निदेशिका अलका सिंह ने आये हुए अभिभावकों, छात्र–छात्राओं व शिक्षिकाओं के प्रति कार्यक्रम के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि ये महोत्सव सौभाग्य के प्रतीक हैं। नौनिहालों में नैतिक और सांस्कृतिक संवर्धन हेतु ऐसे पवित्र और पावन कार्यक्रम होने चाहिए। इस मौके पर राकेश सिंह, धीरेंद्र सिंह, बच्चों के अभिभावक समेत विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

बहने रक्षाबंधन के दिन रक्षा सूत्र बांधकर जरूर लगाएं एक वृक्ष–रोशनलाल

प्रतापगढ़। एलायंस क्लब इंटरनेशनल के सदस्यों ने शनिवार को शहर के अचलपुर, बाबागंज, मकन्दूगंज, दहिलामऊ स्थित बेसिक स्कूलों में पौधरोपण किया। अपने मां के नाम एक पौधे लगाकर दूसरों को भी ऐसा करने की अपील की। क्लब के इंटरनेशनल डायरेक्टर समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि जीवन बचाने के लिए पौधरोपण व उसकी सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने खासकर बच्चियों से अपील किया कि रक्षा बंधन के दिन भाईयों को रक्षा सूत्र बांधकर एक वृक्ष जरूर लगाएं। इस मौके पर नार्थ जोन की एडवाइजर पूनम गुप्ता, अर्चना खंडेलवाल, सुधा अग्रवाल, रेखा उमरवैश्य, ज्योति, अनूप कनौजिया, डॉ0 दयाराम मौर्य, लक्ष्मीकांत द्विवेदी, छेदीलाल, संतोष कुमार, देवानंद, आदर्श कुमार, विवेक कुमार, शिवेश शुक्ला, परमानंद मिश्रा, सूरज उमरवैश्य, आशीष, ऋषभ, शनि, सोनू, आदि मौजूद रहे।

नेत्र रोगियों की बस को चित्रकूट के लिए दिखाई हरी झण्डी

प्रतापगढ़। लालगंज क्षेत्र के मोठिन गांव में शनिवार को निःशुल्क नेत्र शिविर में आंखों के रखरखाव को लेकर सुरक्षा के उपाय बताये गये। शिविर में चयनित हुए मोतियाबिंद के मरीजों के निशुल्क आपरेशन के लिए इन्हें चित्रकूट के लिए रवाना किया गया। चिकित्सा विशेषज्ञ डा0 राकेश शर्मा ने नेत्र रोगियों की चित्रकूट के लिए रवाना बस को हरी दिखलाई। कार्यक्रम का संयोजन राजेश मिश्र ने किया। इस मौके पर समाजसेवी छेदी लाल मौर्य, कौशलेन्द्र द्विवेदी, शंभू नाथ शर्मा, शिवप्रसाद केसरवानी, विजय शर्मा, गुडडू दुबे, कृपाशंकर मिश्र, शिवमूरत सरोज आदि मौजूद रहे।

टिकट दलाली में साइबर कैफे संचालक को आरपीएफ ने पकड़ा

प्रतापगढ़। शहर के चौक स्थित एक साइबर कैफे के संचालक को शनिवार को आरपीएफ ने टिकट दलाली के आरोप में पकड़ लिया। थाने पर लाकर उससे पूछताछ की। हालांकि आरपीएफ अभी यह साबित नहीं कर पाई है कि वह टिकट दलाली का आरोपी है। आरपीएफ का कहना है कि जांच चल रही है। स्टेशन परिसर से लेकर पूरे शहर व बाजारों में टिकट दलाली का धंधा जोरों पर चल रहा है। टिकट लेने की लाइन में घंटों लगे मुसाफिरों को नंबर आने पर तत्काल टिकट की पूरी बुकिंग की जानकारी मिलने पर मायूस होते रहे हैं। रेलवे कर्मचारियों पर दलालों से मिले होने के भी आरोप लगते रहे हैं। आरपीएफ व जीआरपी ने बुकिंग काउंटर पर दलालों को पकड़ने के लिए कई बार धर पकड़ अभियान भी चलाया। मारपीट भी हो चुकी है। विजिलेंस ने भी कर्मचारियों को पकड़ने के लिए छापेमारी भी कई बार की। चेकिंग के दौरान पुलिस के शिकंजे में दलाल आये भी। जेल जाने के बाद फिर से धंधे दलाली के धंधे को नहीं छोड़ा। सूचना पर आरपीएफ ने चौक से एक साइबर कैफे के संचालक को उठाया है। उसके यहां यात्रियों की टिकट के लिए भीड़ भी लगती है। हालाकिं आरपीएफ को अभी तक कोई पुख्ता सबूत नहीं मिल सका है।

उत्तराखंड के डांस चौंपियनशिप में बच्चों ने जीते स्वर्ण व रजत पदक

प्रतापगढ़। उत्तराखंड के नैनीताल में आयोजित दो दिवसीय नेशनल डांस स्पॉट चौंपियनशिप में यूपी की टीम अव्वल रही। जिसमें प्रतापगढ़ के किंग अमितेश डांस एकेडमी के बच्चों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। एकेडमी से 10 बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमें परी, नीति, अभिनव, संस्कार, अनन्या, आयुष, अक्षत, लक्ष्य, ओम, जारा शामिल रहे। इसमें सात बच्चों ने स्वर्ण एवं तीन बच्चों ने रजत पदक हासिल किया। डांस स्पोर्ट्स काउंसिल आफ इंडिया एवं उत्तराखंड डांस स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से मेडल एवं प्रमाणपत्र देकर कर विजेता को सम्मानित किया गया। नैनीताल में आयोजित चौंपियनशिप में 14 राज्य के बच्चों ने प्रतिभाग लिया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अभिनेता अमितेश श्रीराम, प्रशिक्षक विराज, सम्राट, श्रेय ने बधाई देते उनके हुनर को सराहा।

प्रमोद तिवारी ने शपथ ग्रहण समारोह में पत्रकारों को किया सम्मानित

प्रतापगढ़। लालगंज ब्लाक सभागार में शनिवार को भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की लालगंज इकाई का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने पत्रकारिता के क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए वर्ष 2024 का लेखनश्री सम्मान प्रदान किया।

सम्पादकीय.......

करों का मानवीय पक्ष

खरी–खरी कहने के लिये चर्चित केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर लगाए जा रहे 18 फीसदी जीएसटी को खत्म करने की तार्किक मांग की है। इस प्रासंगिक मुद्दे को उठाकर गडकरी ने करों के मानवीय पक्ष को ही उजागर किया है। निस्संदेह, जीएसटी को कम करना एक मानवीय पहल होगी। वह भी उस देश में जहां 73 फीसदी लोगों के पास चिकित्सा बीमा नहीं है। ऐसे में बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लगाना क्या न्यायसंगत होगा? दरअसल, महंगे प्रीमियम व उस पर लगने वाले करों के चलते करीब पच्चीस से तीस फीसदी लोग हर साल अपने चिकित्सा बीमा का नवीनीकरण नहीं कर पाते। निस्संदेह, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बीमा धारकों की दुखती रग पर हाथ रखा है। यह विडंबना ही है कि भविष्य में जीवन की अनिश्चितताओं से मुक्ति व अपने तथा परिवार की स्वास्थ्य सुरक्षा चाहने वाले व्यक्ति पर करों का अनुचित बोझ डाला जाता है। जाहिर है कि करों का अधिक बोझ बीमा विस्तार से जुड़ी नीतियों को प्रोत्साहित करने की सोच के विरुद्ध है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि कोई व्यक्ति जीवन की तमाम अनिश्चितताओं के चलते अपनी व परिवार की सुरक्षा हेतु चिकित्सा बीमा प्रीमियम का भुगतान करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो जीवन व सेहत बीमा के प्रीमियम पर टैक्स लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर टैक्स लगाने जैसा ही है। वैसे भी जीवन के उत्तरार्ध में तमाम चिकित्सा समस्याओं से जूझने वाले बुजुर्गों के लिये यह जीएसटी चुकाना एक अन्याय जैसा ही है क्योंकि इनमें से अधिकांश की यह सेवानिवृत्ति की उम्र होती है। इस उम्र तक आते–आते उसके आय के स्रोत सिकुड़ने लगते हैं। वह अपने बच्चों पर आश्रित होता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि जीवन के जोखिम के लिये बीमा कराने वाले व्यक्ति के प्रीमियम पर अधिक कर लगाना एक तरह से बेबात का जुर्माना वसूलना जैसा है। खासकर समाज में कमजोर वर्ग के लोगों के लिये तो यह कर बेहद परेशान करने वाला ही है, जो जैसे–तैसे प्रीमियम के लिये पैसा जुटाने का उपक्रम करते हैं। यह भी एक हकीकत है कि ज्यादा कर लगाने से बीमा उत्पादों का दायरा बढ़ाने के तमाम प्रयास निरर्थक ही सिद्ध होते हैं। यही वजह है कि देश का बीमा उद्योग लंबे समय से अपने उत्पादों की अपील बढ़ाने के लिये जीएसटी में कटौती की वकालत करता रहा है। यह बात स्पष्ट है कि सेहत व जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी की दर कम करने से न केवल बीमा करवाना अधिक किफायती हो जाएगा, बल्कि इसके प्रसार को भी अपेक्षित बढ़ावा मिलेगा। सही मायनों में इससे व्यापक वित्तीय सुरक्षा और स्वास्थ्य कवरेज के विस्तार में मदद मिलेगी। जिससे नये उपभोक्ता बीमे के दायरे में लाये जा सकेंगे। बीमा कंपनियां जीएसटी कम होने पर नये उपभोक्ताओं को आकर्षित कर सकती हैं। दरअसल, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई के वर्ष 2022–23 के लिए जारी आंकड़ों के अनुसार भारत के सकल घरेलू उत्पाद में जीवन बीमा की भागीदारी महज 3.2 फीसदी व स्वास्थ्य बीमा की भागीदारी 0.94 फीसदी है। लोकतंत्र में सरकार की प्राथमिकता होती है कि सामाजिक कल्याण के साथ नागरिकों की आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा दे। लेकिन वर्तमान कराधान नीति सामाजिक कल्याण की कसौटी पर खरी नहीं उतरती। ऐसे में बीमा प्रीमियम पर जीएसटी हटाकर सरकार यह सुनिश्चित कर सकती है कि अधिक नागरिकों को अतिरिक्त वित्तीय तनाव के बिना जीवन की अनिश्चितताओं में सुरक्षा मिल सके। निस्संदेह, केंद्र सरकार को नितिन गडकरी के सुझाव पर न केवल गंभीरता से विचार करना चाहिए बल्कि इस दिशा में शीघ्र कदम भी उठाना चाहिए। जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर जीएसटी हटाना सिर्फ राजकोषीय नीति का मामला भर नहीं है, बल्कि देश के लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण की सुरक्षा के लिये प्रतिबद्धता भी दर्शाता है। सरकार यदि बीमा प्रीमियम पर जीएसटी को हटाये व आयकर में छूट में वृद्धि करे तो देश के लोगों में जीवन व सेहत बीमा लेने का उत्साह बढ़ेगा।

तेहरान में हमास नेता हनीयेह की हत्या से मध्य पूर्व में युद्ध भड़कने की संभावना

नित्य चक्रवर्ती

> *उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रपति मसूदपेजेशकियन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए ईरान गये थे। पेजेशकियन को पिछले महीने राष्ट्रीय चुनावों में ईरान का नया राष्ट्रपति चुना गया था। 30 जुलाई को उनके शपथ ग्रहण समारोह में पश्चिम एशियाई देशों के कई वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित किया गया था।*

बुधवार को मध्य पूर्व में अभूतपूर्व उथल–पुथल मच गई, जब खबर आई कि तेहरान में सुबह अज्ञात बंदूकधारियों ने उनके आवास में हमास नेता इस्माइलहनीयेह की हत्या कर दी। हालांकि ईरानी सरकार ने कहा कि वे हत्या की जांच कर रहे हैं और इजरायली सरकार ने आधिकारिक तौर पर चुप्पी साधे रखी, लेकिन फिलिस्तीन के नेताओं ने इसे शविश्वासघाती जायोनी छापाश करार दिया। इससे पहले, ईरान के रिवोल्यूशनरीगार्ड्स ने कहा कि उन्हें एक ईरानी अंगरक्षक के साथ उनके आवास में निशाना बनाया गया था। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रपति मसूदपेजेशकियन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए ईरान गये थे। पेजेशकियन को पिछले महीने राष्ट्रीय चुनावों में ईरान का नया राष्ट्रपति चुना गया था। 30 जुलाई को उनके शपथ ग्रहण समारोह में पश्चिम एशियाई देशों के कई वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित किया गया था। हनियेह उग्रवादी समूह के निर्वासित राजनीतिक प्रमुख थे और उन्होंने हाल के वर्षों में अपना अधिकांश समय कतर और तुर्की में बिताया था। उन्हें एक व्यावहारिक व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने इजराइल–गाजा युद्ध के दौरान युद्ध विराम वार्ता में एक वार्ताकार के रूप में काम

किया था। उन्होंने हमास के मुख्य सहयोगी ईरान के साथ संपर्क किया था और तुर्की के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। उन्हें एक कुशल वार्ताकार के रूप में बहुत महत्व दिया जाता था और हमास नेतृत्व ने पिछले साल 7अक्टूबर को युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल के खिलाफ हमास की लड़ाई के लिए सहायता का आयोजन करने में उनके कौशल का उपयोग किया। हनियेह को खालिदमेशाल की जगह लेने के लिए 2017 में हमास राजनीतिक ब्यूरो का प्रमुख चुना गया था, लेकिन वह पहले से ही एक प्रसिद्ध व्यक्ति थे, क्योंकि 2006 में उस वर्ष के संसदीय चुनाव में हमास की अप्रत्याशित जीत के बाद वे फिलिस्तीनी प्रधानमंत्री बन गये थे। तुर्की सरकार के साथ उनके अच्छे संबंध थे और उन्होंने राष्ट्रपति एर्दोगन से फिलिस्तीनी लड़ाकों के पक्ष में वित्तीय और अन्य सहायता का प्रबंध किया था। अब तक इजरायल के युद्ध में 39,400 फिलिस्तीनी मारे गये हैं और आधिकारिक तौर पर घायलों की संख्या 90,996 बताई गई है। मारे गये हमास नेता गाजा में फिलिस्तीनियों और इजरायल के बीच संघर्ष विराम पर बातचीत की प्रक्रिया का हिस्सा थे, जिसकी निगरानी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन कर रहे थे। पिछले सप्ताह वाशिंगटन की अपनी यात्रा के दौरान इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को राष्ट्रपति बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस दोनों ने जल्द से जल्द संघर्ष विराम को अंतिम रूप देने के लिए कहा था। नेतन्याहू ने हमेशा की तरह देरी के लिए हमास नेतृत्व को दोषी ठहराया। ताजा घटनाक्रम ने हमास नेतृत्व को नाराज कर दिया है और इस बात की पूरी संभावना है कि यह तनाव और बढ़ सकता है, क्योंकि लेबनान और तुर्की दोनों ही हमास का खुलकर समर्थन कर रहे हैं। लेबनान स्थित हिजबुल्लाह ने पिछले सप्ताह गोलनहाइट्स पर 12 लोगों की हत्या की थी, जिसमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल थीं। इसके जवाब में इजरायल ने मंगलवार को बेरूत पर हवाई हमला किया, जिसमें गोलनहाइट्स पर हमले के लिए जिम्मेदार हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर को निशाना बनाया गया। इजरायल ने कहा कि पिछले सप्ताह के हमले के लिए लेबनान को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। लेबनान स्थित आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के अलावा, तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने कहा कि तुर्की फिलिस्तीनियों के समर्थन में इजरायल में प्रवेश कर सकता है। अगर उनके शब्दों को कार्रवाई में बदला जाता है, तो यह वर्तमान युद्ध को एक नया आयाम देगा, क्योंकि तुर्की नाटो का सदस्य है और नाटो के अपने सदस्यों के लिए कुछ नियम हैं। पहले ही इजरायल ने नाटो के समक्ष विरोध जताया है कि तुर्की आतंकवादियों को वित्तीय धन पहुंचाने का एक जरिया है। अब भौतिक भागीदारी फिलिस्तीन–इजरायल युद्ध के क्षेत्रों का और विस्तार करेगी। अगले कुछ दिन मध्य पूर्व में महत्वपूर्ण होंगे।

संसद से टपकता पानी

क्या सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस का सदस्य बनने की इजाजत मिलनी चाहिए?मोदी सरकार में बेरोजगारी के भयावह आंकड़े सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की उम्मीद करना भारतीयों ने अरसे से छोड़ दिया है। वे मानकर चलते हैं कि यदि किसी शासकीय स्कूल की इमारतें हों या फिर अस्पताल भवन, सड़कें हों या पुल–पुलिया– वे लम्बे समय तक नहीं चलेंगी। फिर वह निर्माण चाहे केन्द्र सरकार की देखरेख में बना हो या फिर राज्य सरकार द्वारा निर्मित हो। सरकारी भवनों को जर्जर होते देर नहीं लगती। कभी स्कूल में पढ़ाई करते बच्चों पर छत का प्लास्टर गिर जाता है तो कभी शाला भवन की दीवार ही ढह जाती है, कभी किसी सरकारी कार्यालय की सीढ़ियां टूटने लगती हैं तो कभी उनकी दीवारों पर उद्घाटन के पहले ही दरारें पड़ने लगती हैं। पुल–पुलियों के खम्भे टूटने लगते हैं तो सड़कें अल्प समय के इस्तेमाल करते ही फटने लगती हैं। हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आये हैं। बिहार में पुलों ने गिरने का रिकॉर्ड बना दिया है। कुछ ही दिनों में दर्जन भर से अधिक पुल गिर गये। कई हाईवे पर तो उद्घाटन के केवल महीने–दो महीने में ही बड़ी दरारें पड़ गईं। सीवरेज अलग कहर ढाते हैं। जहां–जहां स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत कार्य चल रहे हैं उनमें और भी बुरा हाल है। बारिश ने इस महत्वाकांक्षी व बहुप्रचारित योजना की पोल खोल दी है। सड़कों से लेकर मैदानों पर पानी ऐसा भरता है कि वाहन उनमें गिरते हैं, लोग हाथ–पांव तुड़वा रहे हैं या अपने प्राण गंवा रहे हैं। नियोजन से लेकर क्रियान्वयन तक सारा कुछ ऐसा दोषपूर्ण होता है कि इन योजनाओं का फायदा कम नुकसान ही अधिक होता है। जान–माल की हानि तो होती ही है, जीवन ही अव्यवस्थित हो जाता है। तिस पर अगर थोड़ी सी भी बरसात हो जाये तो जीवन को नर्क बनने में देर नहीं लगती। अक्सर यह भी आरोप लगते हैं कि, जिसमें बड़े पैमाने पर सच्चाई भी है, भ्रष्टाचार का बड़ा योगदान गुणवत्ता को गिराने में होता है। यह किसी एक राज्य की बात नहीं है बल्कि यह सार्वभौमिक सत्य है कि शासकीय कार्य का अर्थ ही है अधिकारियों और राजनीतिज्ञों की जेबों का भरना। निर्माण कार्यों की लागत का आकलन तो वास्तविकता के आधार पर होता है, उसी कीमत पर कामों का आवंटन भी होता है परन्तु जब निर्माण शुरू होता है तो पता चलता है कि लाभ का एक बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जायेगा। इससे ठेकेदार या निर्माण एजेंसियां गुणवत्ता में समझौते करती हैं। निर्माण हो जाता है व उसे विभाग को सौंप दिया जाता है, उद्घाटन हो जाते हैं लेकिन उन निर्माणों की गुणवत्ता जल्दी ही दीवारों, छतों, फर्शों और अन्य जगहों पर से झांकती दिखलाई पड़ती है। इसी कार्य पद्धति के तहत बने पुल लोगों पर गिरते हैं और मासूमों की मौतें होती हैं। देश में सैकड़ों हादसे ऐसे होते हैं जिनके लिये यही घटिया निर्माण जिम्मेदार होता है परन्तु उससे भी बुरी बात होती है इस पर होने वाली सियासत। यह नया भारत है जहां पहले यह देखा जाता है कि जो भी हादसा हुआ है या निर्माण की खामियां उजागर होती है, तो वह किस राज्य का मामला है और वहां किसकी सरकार है। पहले न कोई ऐसी वारदात का बचाव करता था और न ही भ्रष्टाचार की स्वीकार्यता थी। लेकिन अब एक ही तरह की अलग–अलग राज्यों में होने वाली घटनाएं तय करती हैं कि उनकी आलोचना की जाये या बचाव। भारतीय जनता पार्टी की यह देन कही जा सकती है जिसके पास ऐसा प्रचार तंत्र है जो यह याद दिलाता है कि यदि अभी पुल–पुलिया गिर रहे हैं, एयरपोर्ट में पानी भर रहा है, रेलवे स्टेशन की छतों से पानी

चू रहा है तो कोई बात नहीं, क्योंकि ऐसा पहले भी हुआ था– कांग्रेस के समय। भाजपा की ट्रोल आर्मी को फर्क नहीं पड़ता कि जनता के पैसे से बने अयोध्या के राममंदिर की छत से चू रहे पानी से गर्भगृह लबालब हो रहा है या महाकालेश्वर में लगाई गयीं मूर्तियां गिर रही हैं। करोड़ों की लागत से बने एक्सप्रेस–वे टूट जायें या पुल ढह जायें– उनकी बला से। अपने प्रचार तंत्र और समर्थकों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार, खासकर नरेन्द्र मोदी को बहुत भरोसा है, फिर वे यह भी जानते हैं कि उन्हें इसे लेकर किसी को जवाब देना नहीं है। यही कारण है कि उनकी सीधी देखरेख में बने और उनका अपना ड्रीम प्रोजेक्ट कहे जाने वाले नये संसद भवन में पानी टपकने को लेकर सरकार का कोई बयान नहीं आया है। वैसे ही जिस प्रकार कुछ हवाई अड्डों में पानी भरने व एक्सप्रेस–वे टूटने पर कुछ नहीं कहा गया। इसके बावजूद देश के सबसे प्रतिष्ठित भवन की छत से अपने निर्माण के इतने कम समय में पानी टपकने की जिम्मेदारी से मोदी नहीं बच सकते। उन्होंने इसका निर्माण बहुत जल्दबाजी में कराया था। कोरोना काल में जब देश के लिये एक–एक रुपया महत्वपूर्ण था, इस पर करोड़ों रुपये लगाये गये (कितने, यह स्पष्ट नहीं)। मोदी इस काम का बार–बार निरीक्षण करते रहे। सेफ्टी हैलमेट लगाकर ड्राइंग फैलाये अन्य इंजीनियरों को जिस प्रकार से उंगली दिखाकर निर्देश देते हुए मोदी की तस्वीरें देश–दुनिया में प्रकाशित व प्रसारित हुई थीं, वैसी ही गुरुवार को सुबह से उस नीली बाल्टी की फोटुएं वायरल हो रही हैं जिसमें शसेंट्रल विस्टाश कहे जाने वाले नवीन संसद भवन के भव्य गुंबद से टपकता पानी इकठ्ठा हो रहा है। निर्माण में स्पेस टेक्नालॉजी का इस्तेमाल का दावा करने वाले मोदी को इस पर कुछ कहना चाहिये क्योंकि पुराने संसद भवन के बरक्स उन्होंने इसे अधिक गौरवशाली माना है।

मेष :– विचारों की अस्थिरता आपको उलझनपूर्ण परिस्थिति में डालेगी। नौकरी–व्यवसाय के क्षेत्र में स्पर्धायुक्त वातावरण रहेगा। नए कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। प्रवास की संभावना है।

वृषभ :– मन की दुविधा ठोस निर्णय पर आने से रोकेगी जिससे हाथ आए अवसर आप खो देंगे। झक्की व्यवहार के कारण संघर्ष में उतरने की संभावना है। नए कार्य के लिए दिन अच्छा नहीं है।

मिथुन :– आज का दिन लाभदायक साबित होने की आशा रख सकते हैं। सुबह से ताजगी और प्रसन्नता का अनुभव होगा। आर्थिक लाभ मिलने के साथ–साथ कहीं से गिफ्ट प्राप्त हो सकता है।

कर्क :– शरीर और मन में बेचौनी और अस्वस्थता का अनुभव होगा। मन की संदिग्धता और दुविधा आपकी निर्णयशक्ति को कसौटी के शिखर पर चढ़ाएंगे। वाद–विवाद से दूर रहें।

सिंह :– आज के दिन आपको विविध लाभ मिलने की संभावना है। ऐसे समय में मन का ढीलापन आपको लाभ से वंचित न कर दे, इसका ख्याल रखें। पदोन्नति और आय वृद्धि का योग है।

कन्या :– नए कार्य शुरू करने के लिए निर्मित योजनाओं को अमल में लाने का आज उत्तम समय है। व्यापार में लाभ होगा। बकाया वसूली के पैसे वापस मिलेंगे। पिता की तरफ से लाभ होगा।

तुला :– लंबी दूरी की यात्रा या धार्मिक स्थान की मुलाकात होगी। विदेश यात्रा के लिए अनुकूलता रहेगी। फिर भी आपको संतान और स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंता रहेगी। धन का खर्च होगा।

वृश्चिक :– आज का दिन सावधानीपूर्वक बिताएं। नए कार्य शुरू न करें। क्रोध, आवेश और अनैतिक आचरण आपको कठिनाई में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें।

धनु रू बौद्धिक, तार्किक, विचार–विनिमय और लेखन कार्य के लिए शुभ दिन है। भागीदारी में लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ के सम्बंधों में अधिक घनिष्ठता रहेगी। मान–सम्मान मिलेगा।

मकर :– आज से आपके व्यापार–धंधे का विकास होगा। आर्थिक रूप से लाभदायक दिन होने से पैसे की लेन–देन में सरलता रहेगी। परिवार में सुख– शांति का माहौल रहेगा।

कुंभ :– आज आप संतान और अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंतित रहेंगे। अपच, पेट–दर्द से परेशान होंगे। विचारों में तेजी से परिवर्तन मानसिक स्थिरता में खलल पहुंचाएगा।

मीन :– शारीरिक– मानसिक भय रहेगा। कुटुंबीजनों के साथ वाद–विवाद होगा। माताजी का स्वास्थ्य खराब होगा। अनचाही घटनाओं से आपके उत्साह में कमी आएगी। अनिद्रा से परेशान रहेंगे।

जनगणना से कब तक डरना

अरविन्द मोहन

> *अब इसका कितने लोगों पर कैसा असर हो रहा है इसका हिसाब अलग–अलग हो सकता है, लेकिन भाजपा पर इसका प्रभाव काफी पड़ा है। उसकी तरफ से राजनीति को हिन्दू–मुसलमान लाइन पर ले जाने का प्रयास बंद नहीं हुआ है।*

बजट से जुड़ा हलवा बांटने वाले और हलवा खाने के रुपक के सहारे बात को जातिगत जनगणना तक ले जाने वाले राहुल गांधी ने अपनी राजनीति चल दी। अब इसका कितने लोगों पर कैसा असर हो रहा है इसका हिसाब अलग–अलग हो सकता है, लेकिन भाजपा पर इसका प्रभाव काफी पड़ा है। उसकी तरफ से राजनीति को हिन्दू–मुसलमान लाइन पर ले जाने का प्रयास बंद नहीं हुआ है लेकिन अब वह हर बात में जाति के सवाल को महत्व देने लगी है और राहुल गांधी तथा कांग्रेस को ही नहीं समाजवादी पार्टी और राजद को ही पिछड़ा और दलित विरोधी बताने का प्रयास भी कर रही है। लेकिन निश्चित रूप से वह जातिगत जनगणना के खिलाफ है और इसकी कोई उपयोगिता नहीं मानती–भले उसने बिहार में हुई जातिगत जनगणना का समर्थन किया था। लेकिन राहुल गांधी को अपनी इस राजनैतिक रणनीति या भाजपा की घेराबंदी में एक बार भी याद नहीं आया कि देश में वह सामान्य जनगणना भी नहीं हुई है जो विश्वयुद्ध के दौरान भी नहीं रुकी थी। और सरकार ने जिस कोरोना के नाम पर जनगणना रोकी थी (हालांकि दुनिया में ऐसा सिर्फ दो अन्य देशों में ही हुआ था) उसे गए जमाना हो गया है और अब आम चुनाव समेत सब काम रूटीन पर लौट आया है। विपक्ष का नेता होने के चलते राहुल को यह पूछने की जरूरत थी क्योंकि इस बजट में भी जनगणना के लिए धन का प्रावधान नहीं हुआ है–यह रकम पहले से कम कर दी गई है। और तब भले गृहराज्य मंत्री ने सदन में और गृह मंत्री ने बाहर कोरोना के चलते जनगणना रोकने और ज्यादा व्यापक सवालों के साथ जनगणना कराने की बात कही हों अब तो सरकार के अधिकारी कहने लगे हैं कि 1948 के जनगणना कानून में इस बात का कोई प्रावधान नहीं है कि हर दस साल पर अनिवार्य रूप से जनगणना हो ही। संभवतरू ऐसा है भी लेकिन पिछले डेढ़ सौ साल की जनगणना की परंपरा और उसकी रोजाना के काम की उपयोगिता ने हमारे लिए कानून के पन्ने पलटने की जरूरत नहीं छोड़ी थी। चुनाव के क्षेत्र निर्धारण से लेकर सरकारी नीतियां बनाने और संसाधनों के आवंटन तथा आगे होने वाले हर सर्वेक्षण में जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाने की आदत हमारे मन मस्तिष्क में इस तरह समा गई है कि हम सोच भी नहीं सकते कि अच्छे दिन लाने और देश को विकसित दुनिया की बराबरी पर लाने और विश्वगुरु बनाने के दावे करने वाली सरकार जनगणना रोक देगी। इस सरकार का आंकड़ों से बैर अब छुपा नहीं है। उसने जाने कितने आंकड़े जुटाने का काम रोका है, कितने जुटे आंकड़ों को प्रकाशित नहीं होने दिया है, कितने ही दूसरे अनुमानों को झुठलाया है, जीडीपी की गणना से लेकर न जाने किस–किस हिसाब का आधार ही बदल दिया है। इन सबसे हमारे सारे आंकड़े संदेहास्पद हो गए हैं जबकि ब्रिटिश शासन काल से ही महा–सांख्यिकी लेखाकार के अधीन आंकड़े जमा करने की एक मजबूत व्यवस्था के अभी तक काम करते जाने के चलते दुनिया में हमारे आंकड़ों को बहुत सम्मान से देखा जाता था। और हद तो तब हो गई जब सरकार ने जीएसटी कर वसूली के निरंतर बढ़ते जा रहे आंकड़ों और कर वसूली बढ़ने के आंकड़ों को सार्वजनिक करने पर रोक लगा दी। देश विदेश के विभिन्न संस्थानों द्वारा जैसे–जैसे जुटाए आंकड़े जब सरकार के पक्ष में होते हैं तो उनका शोर मचाया जाता है वरना उनको खारिज कर दिया जाता है। और बुनियादी दिक्कत यह है कि जब पंद्रह साल पुरानी जनगणना को रैंडम सैंपलिंग के लिए कितनी भी ईमानदरी से इस्तेमाल किया जाए तो नतीजे गलत आने की पूरी गुंजाइश है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण हो या परिवार स्वास्थ्य या उपभोग सर्वेक्षण, सभी जनगणना के आंकड़ों को ही आधार बनाते हैं। जनगणना का काम सिर्फ दूसरे सर्वेक्षणों का आधार बनना या उनकी पृष्ठभूमि तैयार करना नहीं है। उसका काम है देश की आबादी का, उसके आर्थिक, सामाजिक, भौतिक जीवन की वास्तविकता को सामने लाना। मकान की गिनती और स्थिति से शुरू होकर अब यह परिवार और व्यक्ति को लेकर बीसियों सूचनाएं जुटाता है और फिर उनको जमा करने के साथ वर्गीकृत करता है, विश्लेषित करता है। और अगर अमित शाह की कुछ समय पहले कही बात अब भी सच है तो इस बार की जनगणना में कुछ और नई जानकारियां जुटाने का काम होना है। इनके आधार पर ग्राम पंचायत और शहर के वार्ड से लेकर पंचायत और नगरपालिका, विधान सभा और संसदीय क्षेत्र का आकार–प्रकार बदला और तय किया जाता है। इनके आधार पर शहरी घोषित हो गए गांव और कस्बे में सुविधाओं और कायदे–कानून में बदलाव होता है। जिन आंकड़ों के आधार पर सरकार और स्वशासी संस्थाओं के बजट का आवंटन होता है। कई जानकारों का अनुमान है।

कि जिन पैमानों पर सरकार 81.5 करोड़ लोगों को आज मुफ्त राशन दे रही है अगर आबादी के नए हिसाब(अनुमान ही) को ध्यान में रखा जाए तो 93 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलना चाहिए। अब राजनैतिक मजबूरी के चलते सरकार बिहार जैसे पिछड़े राज्य को जो धन दे रही है वह काम काफी पहले हो जाना चाहिए था। लेकिन इससे भी बड़ी बात संसदीय क्षेत्रों का पुनर्गठन, समाज के विभिन्न जमातों में आबादी की वृद्धि की रफ्तार, गरीबी काम–ज्यादा होने का हिसाब, मकान–दूकान–वाहन–खेती–संपत्ति का हिसाब है। सरकार इसमें से कई का हिसाब सामने आने देना नहीं चाहती। इससे उसकी राजनीति कमजोर होगी(खासकर मुसलमानों की आबादी बढ़ाने की रफ्तार की असलियत से), दक्षिण और उत्तर के राज्यों के बीच संसदीय क्षेत्रों के पुनर्गठन और उनकी संख्या घटने–बढ़ने के सवाल पर उलझ जाएगी।

दिल्ली की बारिश में सान्या मल्होत्रा को याद आए मां के हाथ के पकौड़े, बोलीं... घर जाकर खाऊंगी

दिल्ली की लड़की सान्या मल्होत्रा काफी समय से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। उन्होंने कई ऐसे रोल्स किए हैं जिनमें उनकी आज भी तारीफ होती है। सान्या फिलहाल मुंबई की बारिश का अनंद ले रही हैं और इस बारे में उन्होंने नवभारत टाइम्स के साथ बातचीत की है।

इंटरव्यूरू मुंबई की बारिश में दिल्ली की छोरी सान्या मल्होत्रा को याद आए मां के हाथ के पकौड़े, कहा– घर जाके खाऊंगी

अमूमन सिलेब्रिटीज पर इस तरह के इल्जाम लगते हैं कि वे ऐसे प्रॉडक्ट्स का ऐड करते हैं, जिनको वे खुद इस्तेमाल नहीं करते

उन्होंने आगे बताया, श्इसके चलते मैंने कई प्रोडक्ट्स के साथ जुड़ने से इनकार कर दिया। मेरी इस सोच के चलते मेरी टीम भी मुझसे खुश नहीं रहतीश

दिल्ली में पली बढ़ी बॉलिवुड ऐक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा जब भी राजधानी आती हैं, तो उन्हें घर वापसी का अहसास होता हैं। हाल ही में जब वह बारिश के दौरान दिल्ली पहुंची, तो उन्हें कॉलेज के दिन याद आ गए। सान्या ने बताया, श्मुझे लग रहा था कि मैं मुंबई की बारिश से निकलकर दिल्ली आ रही हूं, तो यहां शायद थोड़ी धूप देखने को मिलेगी। लेकिन दिल्ली में भी बारिश ने मेरा स्वागत किया। दिल्ली में तो बारिश होते ही ट्रैफिक जाम लग जाता है। मुझे एयरपोर्ट से सेंट्रल दिल्ली तक आने में दो घंटे का वक्त लग गया।श्उन्होंने आगे कहा, श्मुंबई में रहते हुए आपको बारिश की आदत हो जाती है। वहां पर पूरे पूरे महीने बारिश चलती है, तो आप उसके लिए तैयार रहते हो। वहां बारिश की वजह से कुछ रुकता नहीं है। वहां लोगों को इसकी आदत है। सबके पास छाता, रेनकोट और एक्सट्रा कपड़े रहते हैं। लेकिन यहां दिल्ली में किसी को नहीं पता कि अचानक से कब बारिश आ जाएगी। इसका असर ट्रैफिक पर नजर आता है। काफी अरसे बाद बारिश के चलते जाम में फंस कर मुझे पुराने दिन याद आ गए, जब कॉलेज के बाद मुझे घर जाना होता था और बारिश हो जाती थी, तो फिर घर पहुंचने में कई घंटे लग जाते थे।श

मैं इस प्रॉडक्ट को काफी अरसे से इस्तेमाल कर रहीं हूं। मैं सोशल मीडिया पर पहले से ही इसके बारे में पोस्ट करती रहती हूं। मैं दूसरे किसी प्रॉडक्ट को एंडोर्स करते वक्त भी इस बात का ध्यान रखती हूं कि मैं अपने फैंस को किसी ऐसे प्रॉडक्ट को खरीदने के लिए ना कहूं, जिससे मैं पूरी तरह वाकिफ नहीं हूं।

सोच–समझकर करती हूं एंडोर्समेंट

अमूमन सिलेब्रिटीज पर इस तरह के इल्जाम लगते हैं कि वे ऐसे प्रॉडक्ट्स का ऐड करते हैं, जिनको वे खुद इस्तेमाल नहीं करते। लेकिन उनसे प्रभावित होकर फैंस प्रॉडक्ट को खरीद लेते हैं। प्रोबायोटिक मिल्क याकुल्ट के नए फ्लेवर को लॉन्च करने राजधानी पहुंची सान्या से जब हमने इस बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया, श्मैं इस प्रॉडक्ट को काफी अरसे से इस्तेमाल कर रही हूं। मैं सोशल मीडिया पर पहले से ही इसके बारे में पोस्ट करती रहती हूं। मैं दूसरे किसी प्रॉडक्ट को एंडोर्स करते वक्त भी इस बात का ध्यान रखती हूं कि मैं अपने फैंस को किसी ऐसे प्रॉडक्ट को खरीदने के लिए ना कहूं, जिससे मैं पूरी तरह वाकिफ नहीं हूं। मेरे लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि अगर मेरे वैल्यूज किसी ब्रैंड के साथ नहीं मैच करते हैं, तो मैं उसके साथ जुड़ने को सही नहीं मानती।श

ऐसे सीखती हैं सान्या

उन्होंने आगे बताया, श्इसके चलते मैंने कई प्रोडक्ट्स के साथ जुड़ने से इनकार कर दिया। मेरी इस सोच के चलते मेरी टीम भी मुझसे खुश नहीं रहती। दरअसल, बतौर सिलेब्रिटी आपके पास अलग अलग तरह के प्रॉडक्ट्स के ऐड के ऑफर आते हैं, लेकिन मैं इन चीजों को लेकर काफी सोच विचार करती हूं। शुरुआत में कुछ एंडोर्समेंट करने के बाद मुझे लगता था कि ये मुझे नहीं करना चाहिए था। अब मुझे लगता है कि आप उम्र के साथ इन चीजों को और ज्यादा सीखते हो।श

श्घर जाकर खाऊंगी पकौड़ेश

बारिश के मौसम में पकौड़े और चाय के शौकीनों की दिल्ली में कमी नहीं है। हमने सान्या से पूछा कि क्या पानी की बूंदें पड़ते ही उनका मन भी पकौड़ों के लिए मचलता है? इसके जवाब में उन्होंने कहा, श्बिल्कुल, बारिश पड़ते ही मुझे भी पकौड़े याद आते हैं। अमूमन मैं चाय नहीं पीती हूं, लेकिन मेरे घर पर सब लोग बहुत चाय पीते हैं और पकौड़े खाते हैं। आज मुझे वही सब याद आ गया कि बारिश होते ही मम्मी पकौड़े बनाती थी। आपको बता दूं कि मेरी मम्मी पकौड़े बहुत अच्छे बनाती हैं। खासकर उनके हाथ के पालक और गोभी के पकौड़े लाजवाब होते हैं। आपने अच्छा याद दिलाया। अब घर जाकर मैं पकौड़े ही खाने वाली हूं।श

साउथ के सुपरस्टार धनुष ने पिछले साल चेन्नई के पॉश एरिया पोएस गार्डन में नया बंगला लिया था। इस घर की कीमत करीब 150 करोड़ रुपए बताई जा रही है। धनुष का यह बंगला सुपरस्टार रजनीकांत और तमिल नाडु की पूर्व सीएम दिवगंत जयललिता के घर के पास है। अब हाल ही में धनुष ने इतनी बड़ी प्रॉपर्टी की ओनरशिप को लेकर चल रही बहस पर बात करते हुए अपने बचपन का एक किस्सा शेयर किया। साथ ही एक्टर ने यह भी बताया कि उन्होंने इस इलाके में ही घर क्यों लिया। धनुष, सुपरस्टार रजनीकांत के दामाद रह चुके हैं। उन्होंने 2004 में सुपरस्टार की बेटी ऐश्वर्या से शादी की थी। 18 साल बाद दोनों ने साल 2022 में तलाक ले लिया था। क्या मेरे जैसे इसांन को पोएस गार्डन में घर नहीं लेना चाहिए? हैदराबाद में हुए अपकमिंग फिल्म 'रायन' के प्री–रिलीज इवेंट में धनुष ने स्टेज से इस बारे में बात की। धनुष ने कहा, 'अगर मुझे पता होता कि पोएस गार्डन में घर खरीदना इतना बड़ा मुद्दा बन जाएगा। तो मैं बस एक छोटा सा अपार्टमेंट लेता। क्या मेरे जैसे इंसान को पोएस गार्डन में घर नहीं खरीदना चाहिए? क्या एक आदमी जो सड़क पर पैदा हुआ उसे जीवन भर वहीं रहना चाहिए?'

बीते कई महीनों से अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा के ब्रेकअप की खबरें सुर्खियों में हैं। इसी बीच, आज दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जिससे उनके रिश्ते को लेकर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि दोनों एक साथ नहीं देखें गए थे। फैंस अटकलें लगा रहे हैं कि शायद दोनों के बीच अब सब कुछ ठीक हो गया है। एयरपोर्ट पर स्पॉट होने के बाद, मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा– श्हर मुस्कान, हर प्यार भरा शब्द, हर दयालु काम आपकी आत्मा की सुंदरता की झलक है।श वहीं, अर्जुन कपूर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों की सीरीज शेयर की है। इस सीरीज में उन्होंने बारिश, नेचर, वर्कआउट और स्वादिष्ट खाना दिखाया है। इसके अलावा, उन्होंने दो और तस्वीरें पोस्ट की हैं। पहली तस्वीर में वह बारिश का आनंद लेते हुए स्विमिंग पूल में तैरते नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में वह घर के अंदर सोफे पर बैठे मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। शादी के चलते रिश्ते में आई अनबन जनवरी में आई जूम की रिपोर्ट के मुताबिक, मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने नवंबर 2023 में ब्रेकअप कर लिया था। रिपोर्ट में बताया गया कि दोनों में से एक शादी कर सेटल होना चाहता था, जबकि दूसरा इसके लिए और समय चाहता था। यही वजह उनकी अनबन का कारण बनी थी। मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर को किया अनफॉलो ब्रेकअप की खबरें तब सामने आई जब मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन और उनके परिवार के लोगों को इंस्टाग्राम से अनफॉलो कर दिया। बता दें कि ये दोनों 2016 से रिलेशनशिप में हैं। कपल ने अपने रिश्ते की ऑफिशियल अनाउंसमेंट अपने बर्थडे पोस्ट के जरिए की थी। यरपोर्ट पर स्पॉट होने के बाद, मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा– श्हर मुस्कान, हर प्यार भरा शब्द, हर दयालु काम आपकी आत्मा की सुंदरता की झलक है।श वहीं, अर्जुन कपूर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों की सीरीज शेयर की है। इस सीरीज में उन्होंने बारिश, नेचर, वर्कआउट और स्वादिष्ट खाना दिखाया है।

जाह्नवी ने शेयर किया वर्कआउट वीडियो, फैंस को फिटनेस के लिए किया मोटिवेट

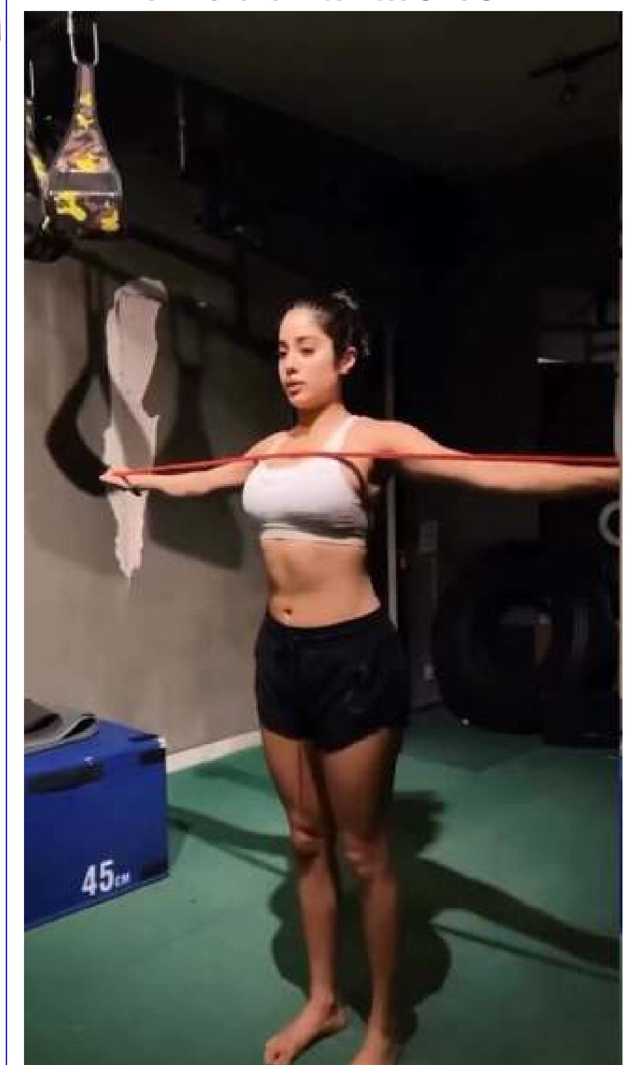

जाह्नवी कपूर ने हाल ही में अपना एक वर्कआउट वीडियो फैंस के साथ शेयर किया, जिसमें वो जिम के अंदर जमकर पसीना बहाती हुई दिखाई...

गौरी खान ने डिजाइन किया अनन्या का पहला घर, कोना–कोना है बेहद खूबसूरत

अनन्या पांडे ने मुंबई में एक फ्लैट खरीदा है, जो कि उनका पहला घर भी है, अनन्या का फ्लैट काफी आलीशान है गौरी खान ने डिजाइन...

निक्की तंबोली की हॉटनेस उड़ा देगी होश, जमीन पर लेट दिए बोल्ड पोज

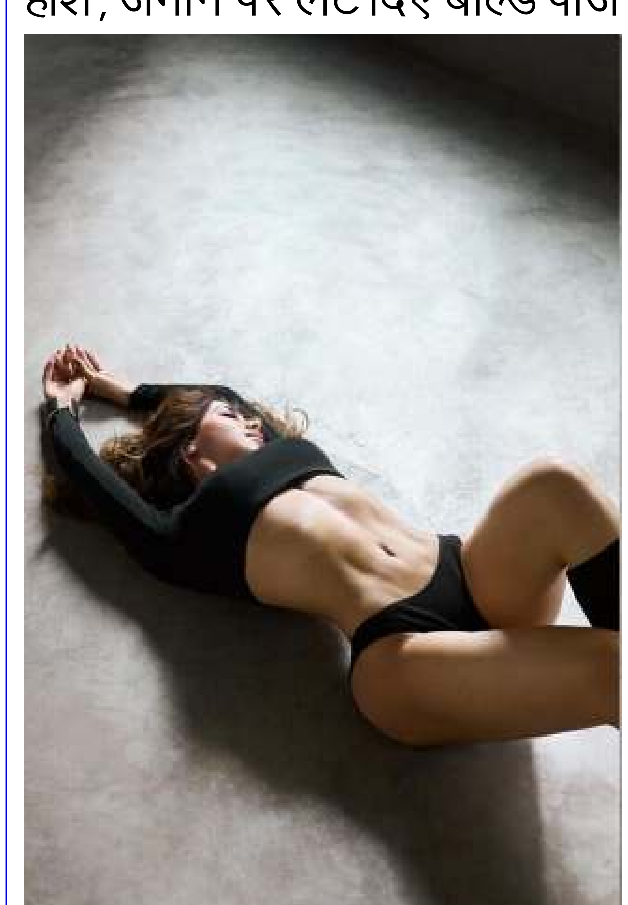

निक्की तंबोली जमीन पर लेट एक से बढ़कर एक सिजलिंग पोज देते हुए फैंस की हार्ट बीट बढ़ाती नजर आ...

बरसात में नहीं लेना चाहते हैं रिस्क, तो भूलकर भी परिवार के साथ न जाएं इन जगहों पर

मानसून में पहाड़ों पर घूमना बहुत रोमांचक हो सकता है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की कुछ जगहों पर भारी बारिश के कारण खतरनाक परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। हिमाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान हुई भारी बारिश के कारण 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं। इसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले चार दिन यानी 28 जुलाई तक अलग–अलग स्थानों पर भारी बारिश का 'येलो अलर्टश् जारी किया है। यदि आप घूमने के लिए हिमाचल जाने का प्लान बना रहे हैं तो अभी रूक जाइए।

हिमाचल में कई सड़कें बंद

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, कुल 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं, जिनमें मंडी की 12, किन्नौर की दो और कांगड़ा जिले की एक सड़क शामिल हैं। मौसम विभाग ने तेज हवाओं और निचले इलाकों में जलभराव के कारण राज्य में बागानों और फसलों, कमजोर संरचनाओं तथा कच्चे घरों को होने वाले नुकसान के बारे में भी चेतावनी दी है।

पर्यटक रहें अलर्ट

जनजातीय जिला लाहौल और स्पीति का कुकुमसेरी मंगलवार रात 10.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे ठंडा रहा, जबकि ऊना दिन में सबसे गर्म रहा जहां तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऐसे में पर्यटकों को यही सलाह दी जा रही है कि कुल्लू, मनाली, धर्मशाला, मैक्लोडगंज, और शिमला जैसे स्थानों पर यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें और सभी सुरक्षा उपायों का पालन करें।

इन जगहों पर जाना सही नहीं

कुल्लू और मनाली मानसून के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन के लिए जाने जाते हैं। सड़कों पर पानी भरने और भूस्खलन की वजह से यात्रा के दौरान दुर्घटनाओं की संभावना रहती है।धर्मशाला और मैक्लोडगंज में भी मानसून के दौरान भूस्खलन का खतरा रहता है। बारिश के कारण सड़कें बंद हो सकती हैं और यातायात प्रभावित हो सकता है। शिमला में भारी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे यात्रा करना खतरनाक हो सकता है।

मानसून में सफर करने के दौरान बरतें सावधानी

–यात्रा से पहले मौसम का पूर्वानुमान जरूर देखें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। अगर मौसम खराब है, तो यात्रा को टालना बेहतर होगा।

–स्थानीय लोगों से वर्तमान मौसम की स्थिति और सड़कों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करें। वे आपको अधिक सही और अद्यतन जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

–ऐसे मार्गों का चयन करें जो कम भूस्खलन प्रवण हों और जहां सुरक्षा के उपाय बेहतर हों।

–आपातकालीन सेवाओं के संपर्क नंबर और नजदीकी अस्पतालों की जानकारी अपने पास रखें।

–अपनी कार में प्राथमिक चिकित्सा किट, टॉर्च, अतिरिक्त बैटरी, और गर्म कपड़े रखें। यात्रा के दौरान हमेशा उचित सुरक्षा उपकरण साथ रखें।

ज्योतिष में रत्नों का महत्व उनके विशेष गुणों और ग्रहों से जुड़े प्रभाव के आधार पर माना जाता है। ये रत्न शुभता में वृद्धि करके व्यक्ति के जीवन में सफलता और उन्हें स्थापित करने में मदद करते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से, हर ग्रह को एक विशेष रत्न से जोड़ा गया है और इसका धारणा विशेष क्षेत्रों में सफलता के लिए प्रेरित किया जाता है। उदाहरणार्थ, किसी व्यक्ति के करियर के विकास और प्रगति के लिए माणिक्य, पुखराज या मूंगा धारण किया जा सकता है, जो उनके ज्योतिषीय प्रोफाइल और ग्रहों के स्थिति के आधार पर निर्धारित किया जाता है। रत्नों के धारणा से व्यक्ति को वृद्धि और स्थिरता का संबंधित लाभ मिल सकता है, जो उनके करियर और जीवन के विभिन्न पहलुओं में मददगार साबित हो सकता है।

हीरा

शुक्र ग्रह का प्रतीक है। इसका धारणा सुख, धन, प्रेम और वैवाहिक सुख में वृद्धि करता है। कला, मनोरंजन, सौंदर्य उत्पादों, आतिथ्य और संबंधित क्षेत्रों में काम करने वाले इसे धारण कर सकते हैं।

मोती

चंद्रमा के संबंध में है। फेफड़ों, छाती, मानसिक स्वास्थ्य और महिला स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं में लाभकारी है। चिकित्सक, नर्स, यात्रा एजेंट्स और नर्सिंग और आतिथ्य उद्योग में काम करने वाले इसे धारण कर सकते हैं।

पन्ना

बुध ग्रह का प्रतीक है। स्मृति और बुद्धि में सुधार करता है। शिक्षक, लेखक, संपादक, लेखांकन, बैंकर और संचार से संबंधित पेशेवरों के लिए उपयुक्त है।

माणिक्य

सूर्य ग्रह का प्रतीक है। साहस, नेतृत्व क्षमता और सामान्य जीवन शक्ति में वृद्धि करता है। सरकारी अधिकारी, राजनेता, डॉक्टर, रक्त संबंधी समस्याओं के लिए चिकित्सक और नेताओं के लिए यह उपयुक्त है।

मूंगा

मंगल ग्रह का प्रतीक है। आत्मविश्वास, साहस और शारीरिक शक्ति में वृद्धि करता है। सर्जन, रक्षा कर्मियों, इंजीनियर, खिलाड़ी और साहसी पेशेवरों के लिए उपयुक्त है।

पुखराज

गुरु ग्रह का प्रतीक है। आध्यात्मिक रुचि, ज्ञान और प्रतिष्ठा में वृद्धि करता है। शिक्षक, धर्म शिक्षक, विद्वान, कानूनी पेशेवर और शैक्षिक क्षेत्र में काम करने वालों के लिए यह उपयुक्त है।

नीलम

शनि ग्रह का प्रतीक है। खनन, पेट्रोलियम, अभियांत्रिकी, श्रम, हड्डी संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए उपयुक्त है।

ये रत्न वैदिक ज्योतिष के अनुसार ग्रहों के अनुसार आधारित माने जाते हैं और उन्हें अनुभव के हिसाब से उपयुक्त राशि और ग्रह के लिए धारण किया जाता है।

अगर आपको मेकअप करना बेहद पसंद है और आप हमेशा से मेकअप के नए–नए प्रोडक्ट ट्राई करते रहते हैं तो ये लेख आप के लिए है। आमतौर पर महिलाओं को मेकअप करना खूब पसंद होता है, ऐसे में वे अक्सर मेकअप प्रोडक्ट खरीदती रहती हैं। महिलाओं की रोजमर्रा लाइफ में लिपस्टिक की खास अहमियत है। लिपस्टिक के बिना मेकअप अधूरा है, लिपस्टिक ही मेकअप की जान है। जब आप लिपस्टिक के शेड का चयन करें तो हमेशा स्किन टोन का खासतौर से ध्यान रखना जरुरी है। आइए इस लेख में जानते हैं मीडिय स्किन टोन के लिए डार्क लिपस्टिक के कुछ ट्रेंडी शेड्स।

चॉकलेट ब्राउन लिपस्टिक

ज्यादातर ब्राउन कलर को आई मेकअप के लिए चुना जाता है। अगर आप बोल्ड लुक पाने के लिए होठों पर चॉकलेट ब्राउन कलर की लिपस्टिक लगा सकती हैं। इसके साथ ही इसमें ब्राउन न्यूड शेड भी मिल जाएगा। वैसे तो यह शेड न्यूड है लेकिन देखने में यह काफी बोल्ड दिखता है। यह आपके लुक को एकदम शानदार बना देगा।

बोल्ड रेड लिपस्टिक

डार्क कलर्स में रेड लिपस्टिक को सबसे ज्यादा किया जाता है। आजकल सबसे ज्यादा साटन मैट यानी कम शाइन वाले लिप शेड को काफी पसंद किया जाता है। यह शेड आपके हर ड्रेस पर सूट करेगा। रेड कलर में ब्राइट से लेकर डल यानी डीप शेड्स आपको अपनी मीडियम स्किन टोन के हिसाब से देखने को मिल सकते हैं।

डार्क पिंक लिपस्टिक

अगर आप बोल्ड लुक पाना चाहती हैं तो पिंक पैलेट में लिपस्टिक की कोई कमी नहीं है, आप पीच की जगह गाजरी पिंक या रेडिश पिंक कलर की लिपस्टिक को चुन सकती हैं। इसमें आप ग्लॉस को शामिल भी कर सकते हैं या चाहे तो मैट में भी लिपस्टिक चुन सकते हैं।

जब आप लिपस्टिक का चयन करें तो स्किन टोन के अनुसार ही ध्यान रखें। मीडियम स्किन टोन के लिए एकदम परफेक्ट होंगी ये लिपस्टिक शेड्स। इन शेड्स को आप चेहरे पर अप्लाई करेंगी तो एक अलग ही चेहरे पर रौनक दिखेंगी। आज ही इन शेड्स की लिपस्टिक खरीदें।

आलू में मिनरल्स, विटामिन्स और एंजाइम्स मौजूद होता है। जोकि स्किन के लिए कई तरीके से लाभकारी होता है। कच्चा आलू और इसका रस दोनों को आप स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकती हैं।

आलू एक ऐसी सब्जी है, जो हर किसी को पसंद होती है। आलू की न सिर्फ सब्जी बल्कि कई तरह के मीठे और तीखे पकवान भी बनाए जाते हैं। आपको बता दें कि आलू सिर्फ खाने ही नहीं बल्कि खूबसूरती बढ़ाने और रंगत को निखारने के काम आता है। आलू में मिनरल्स, विटामिन्स और एंजाइम्स मौजूद होता है। जोकि स्किन के लिए कई तरीके से लाभकारी होता है। कच्चा आलू और इसका रस दोनों को आप स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं।

कच्चा आलू और इसका रस दोनों को फेस पर अप्लाई करने से दाग–धब्बे और झुर्रियां कम होती हैं और फेस का निखार भी बढ़ता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप इसका इस्तेमाल किस तरह से कर सकते हैं।

दाग–धब्बे दूर करने के लिए

आधे आलू का रस

हल्दी– 2 चुटकी

ऐसे करें अप्लाई

एक कटोरी में आलू का रस और हल्दी मिला लें।

फिर इस पैक को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

करीब 15–20 मिनट तक लगाए रहने के बाद इसको धो दें।

सप्ताह में एक या दो बार इस फेस पैक को लगाएं।

दो सप्ताह में आपको फेस पर फर्क साफ नजर आएगा।

ग्लोइंग स्किन के लिए

आधे आलू का रस

एक अंडे का सफेद हिस्सा

ऐसे करें अप्लाई

एक कटोरी में अंडे को अच्छे से फेंट लें।

इसके इसमें आलू का रस मिलाएं और फिर फेस पर अप्लाई करें।

करीब 10 मिनट तक इसको अप्लाई करने के बाद फेस को ठंडे पानी से धो लें।

बता दें कि 8–10 दिन में एक बार इस पैक को लगाने से आपका फेस ग्लो करने लगेगा।

रंगत सुधारने के लिए

आलू का रस– 2 टीस्पून

पानी– 2 टीस्पून

ऐसे करें अप्लाई

आलू का रस और पानी को मिलाकर इसे फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

जब यह सूख जाए, तो चेहरे को धो लें।

इसको फेस पर अप्लाई करने से उम्र से पहले नजर आने वाली झुर्रियां कम होती हैं।

दमकती त्वचा पाने के लिए

आधे आलू का रस

कच्चा दूध– 1 चम्मच

ऐसे करें अप्लाई

आलू का रस और कच्चे दूध को एक बोल में दोनों को मिला लें। फिर कॉटन की मदद से इसको फेस पर अप्लाई करें।

करीब 10 मिनट तक इसको फेस पर लगाए रहने के बाद चेहरा धो दें।

सप्ताह में 2 बार इसको अप्लाई करने पर आपको जल्द ही रिजल्ट देखने को मिलेगा।

संक्षिप्त

पहली तिमाही में एसबीआई का शुद्ध मुनाफा 17035 करोड़ रुपये रहा, ब्याज से आमदनी 16% बढ़ी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक ँ(ठप्)ने शनिवार को 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के नतीजे जारी किए। वित्तीय वर्ष 2024–25 की पहली तिमाही में बैंक को 17,035 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ हुआ। यह एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की ओर से रिपोर्ट किए गए 16,884.29 करोड़ रुपये के शुद्ध मुनाफे से 0. 9: अधिक है। भारतीय स्टेट बैंक के शुद्ध मुनाफे का यह आंकड़ा बाजार के 16,786 करोड़ रुपये के अनुमान से भी अधिक है। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक का अर्जित ब्याज 1,11,526 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में ऋणदाता की ओर से रिपोर्ट किए गए 95,975 करोड़ रुपये के मुकाबले 16 प्रतिशत अधिक है।

खरीफ फसलों की बुवाई पिछले से ज्यादा, किसानों ने धान, दलहन, तिलहन, बाजरा और गन्ने अधिक बोए

नई दिल्ली। कृषि मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार किसानों ने इस साल अभी तक 904.60 लाख हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बुवाई की है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह रकबा 879.22 लाख हेक्टेयर था। मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार सालाना आधार पर बुआई करीब तीन प्रतिशत अधिक है। कमोडिटीवार धान, दलहन, तिलहन, बाजरा और गन्ने की बुवाई सालाना आधार पर अधिक रही है। दूसरी ओर कपास और जूट/मेस्ता की बुआई में गिरावट आई है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में कहा था कि केंद्र सरकार सभी राज्यों में उड़द, अरहर और मसूर के लिए 100 प्रतिशत खरीद के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने इस मुद्दे पर जागरूकता पैदा करने का आह्वान किया ताकि अधिक से अधिक किसान दलहन की खेती के लिए आगे आएं। भारत दालों का एक बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक है और यह आयात के माध्यम से अपनी खपत की जरूरतों के एक हिस्से को पूरा करता है। भारत में मुख्य रूप से चना, मसूर, उड़द, काबुली चना और अरहर दालों का सेवन होता है। किसानों को विभिन्न प्रोत्साहनों सहित कई उपायों के बावजूद, भारत अभी भी अपनी घरेलू आवश्यकताओं के लिए दालों के आयात पर निर्भर है। 2023–24 में दालों का आयात लगभग दोगुना हो गया है। भारत में तीन फसल मौसम हैं – ग्रीष्मकालीन, खरीफ और रबी। अक्टूबर और नवंबर के दौरान बोई जाने वाली फसलें और परिपक्वता के आधार पर जनवरी से काटी जाने वाली उपज रबी हैं। जून–जुलाई के दौरान बोई जाने वाली फसलें और मानसून पर निर्भर बारिश अक्टूबर–नवंबर खरीफ में काटी जाती है। रबी और खरीफ के बीच उत्पादित फसलें ग्रीष्मकालीन फसलें हैं। भारत में कुल वर्षा का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा दक्षिण–पश्चिम मानसून के दौरान होता है। इस प्रकार, मानसून वर्षा की समय पर और उचित घटना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए प्रमुखता रखती है, क्योंकि भारत की लगभग 45 प्रतिशत आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर करती है जो वर्षा पर निर्भर करती है।

भारत को अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय के चौथे हिस्से तक पहुंचने में लगेंगे 75 साल, विश्व बैंक का दावा

नई दिल्ली। विश्व बैंक की शविश्व विकास रिपोर्ट 2024रू द मिडिल इनकम ट्रैपश के अनुसार, चीन को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय के एक–चौथाई तक पहुंचने में 10 वर्षों से अधिक का समय लगेगा। इस उपलब्धि को हासिल करने में इंडोनेशिया को लगभग 70 साल लगेंगे। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले कुछ दशकों में भारत समेत 100 से ज्यादा देशों को उच्च आय वाला देश बनने में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय की एक चौथाई तक ही पहुंचने में करीब 75 साल लग सकते हैं। विश्व विकास रिपोर्ट 2024रू द मिडिल

इनकम ट्रैप के अनुसार, चीन को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय के एक–चौथाई तक पहुंचने में 10 साल से अधिक का समय लगेगा। जबकि इंडोनेशिया को यह उपलब्धि हासिल करने में लगभग 70 साल लगेंगे। पिछले 50 साल के अनुभव के आधार पर रिपोर्ट में कहा गया है कि देश जैसे–जैसे अमीर होते जाते हैं, वे आमतौर पर प्रति व्यक्ति सालाना अमेरिकी जीडीपी के करीब 10 फीसदी पर श्एक जालश में फंस जाते हैं, जो कि वर्तमान समय में करीब 8,000 डॉलर के बराबर है। विश्व बैंक मध्यम आय वाले देशों को जिस राशि के आधार पर वर्गीकृत करता है, यह उसके ठीक मध्य की राशि है। वर्ष 2023 के अंत में 108 देशों को मध्यम आय के रूप में वर्गीकृत किया गया था, जिनकी प्रति व्यक्ति वार्षिक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) 1,136 अमेरिकी डॉलर से 13,845 अमेरिकी डॉलर के बीच थी। इन देशों में छह अरब लोग रहते हैं – जो वैश्विक आबादी का 75 प्रतिशत – और इन देशों में हर तीन में से दो लोग अत्यधिक गरीबी में रहते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि तेजी से बढ़ती आबादी और बढ़ता कर्ज, भयंकर भूराजनीतिक और व्यापार घर्षण और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना आर्थिक प्रगति को गति देने की बढ़ती कठिनाई की तुलना में आगे का रास्ता और भी कठिन चुनौतियां हैं। रिपोर्ट के अनुसार फिर भी कई मध्यम आय वाले देश अभी भी पिछली शताब्दी से एक प्लेबुक का उपयोग करते हैं, मुख्य रूप से निवेश का विस्तार करने के लिए डिजाइन की गई नीतियों पर भरोसा करते हैं।

पेशेवर फुटबॉलर नहीं बनना चाहते थे सुनील छेत्री

आज मना रहे हैं 40वां जन्मदिन

आज के दिन यानी की 03 अगस्त को भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री अपना 40वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनकी गिनती भारतीय फुटबॉल के सबसे सफल खिलाड़ियों में होती है। वह देश के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले भी खिलाड़ी हैं। साल 2007 में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। हालांकि सुनील छेत्री ने अपने करियर में कई मुश्किलों का सामना किया है। लेकिन उन्होंने मुश्किल से भी मुश्किल परिस्थितियों में हार नहीं मानी और अपना खेल जारी रखा। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर सुनील छेत्री के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म

तेलंगाना में 03 अगस्त 1984 को सुनील छेत्री का जन्म हुआ था। बता दें कि सुनील छेत्री कभी भी पेशेवर फुटबॉलर नहीं बनना चाहते थे। यह बात खुद छेत्री ने बताया था। उन्होंने बताया था कि वह शौक के लिए फुटबॉल खेलते थे। जिससे कि उनका अच्छे कॉलेज में स्पोर्ट्स कोटे से एडमिशन हो जाए। वह सैनिक परिवार से ताल्लुक रखते थे। छेत्री के पिता आर्मी में थे, इस कारण उनको देश के अलग–अलग हिस्सों में रहने का मौका मिला। जिस खेल को वह शौकिया तौर पर खेलते थे, उसी खेल के कोच ने उनको फुटबॉलर बनने के लिए प्रेरित किया था।

परिवार और शादी

बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी की है कि छेत्री के माता–पिता भी फुटबॉलर रह चुके हैं। उनकी मां ने नेपाल के लिए फुटबॉल खेला है और पिता भारतीय सेना की टीम में फुटबॉल खेलते थे। सुनील छेत्री ने सोनम भट्टाचार्य से शादी रचाई। बता दें कि सुनील छेत्री के कोच की बेटी सोनम हैं। वह छेत्री को तब से पसंद करती थीं, जब वह महज 15 साल की थीं।

जब कोच की बात से छेत्री को लगा धक्का

आपको बता दें कि साल 2022 में सुनील छेत्री को छेत्री पुर्तगाल के क्लब स्पोर्टिंग लिस्बन से जुड़ने का मौका मिला। लेकिन इस दौरान छेत्री के प्रदर्शन को देखते हुए उनकी टीम के हेड कोच ने कहा था कि वह टॉप टीम में जगह बनाने के लायक नहीं हैं। इसलिए वह टीम बी में चले जाएं। कोच की इस बात से सुनील छेत्री को काफी धक्का पहुंचा। जिस कारण वह 3 साल का कॉन्ट्रैक्ट होने के बाद भी 9 महीने में भारत वापस आ गए। हालांकि आज वह किस मुकाम पर हैं, यह पूरी दुनिया जानती है।

अपने नाम किया सैफ चौंपियनशिप का खिताब

सुनील छेत्री ने भारतीय टीम ने सैफ चौंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। इस दौरान उन्होंने बेंगलुरु में सैफ चौंपियनशिप के फाइनल में भारत ने कुवैत को पेनल्टी शूट आउट में शिकस्त दी थी। भारत ने 9वीं बार सैफ चौंपियनशिप के खिताब पर अपना कब्जा जमाया। उन्होंने अपने करियर में अब तक 142 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इस दौरान छेत्री ने 93 गोल किए। सुनील छेत्री, अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनल मेसी और पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद तीसरे गोल स्कोरर हैं।

छोटे और मंझोले 300 बैंकों पर साइबर अटैक से 1000 करोड़ का कारोबार हुआ प्रभावित, ये था कारण

मुंबई। पिछले दो–तीन दिनों से देश भर के लगभग छोटे और मध्यम दर्जे के 300 बैंकों के एटीएम पैसे निकालने और यूपीआई से भुगतान सेवाओं का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। इसकी बड़ी वजह सी–एज टेक्नोलॉजी पर रैनसवेयर का हमला है। यानी साबइ अटैक की वजह से यह सभी सेवाएं प्रभावित हुई हैं। नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) सी–एज टेक्नोलॉजी के साथ इन सेवाओं को प्रदान करता है। इसका असर छोटे और मध्यम (एमएसएमई) दर्जे के कारोबार पर देखने को मिल रहा है। जिसकी वजह से उनके कारोबार में करोड़ का नुकसान उठाना पड़ रहा है। रोजना मुंबई में एमएसएमई का 1000 करोड़ रुपये का कारोबार होता है जिस पर असर पड़ा है। पिछले तीन में दिनों में करोड़ों रुपये का नुकसान कारोबारियों को उठाना पड़ रहा है। एनपीसीआई का कहना है कि वह सी–एज टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर समस्या को हल करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है और आवश्यक सिक्यूरटी रिव्यू भी किया जा रहा है। प्रभावित बैंकों की कनेक्टिवटी जल्द ही बहाल की जाएगी। सी–एज टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाले छोटे आकार के लगभग 300 बैंक है। पिछले दो से तीन दिनों से वह इस समस्या का सामना कर रहे हैं। एनपीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि गुरुवार दोपहर तक सेवाओं को बहाल कर दिया जाएगा, लेकिन अभी तक ग्राहक समस्या का सामना कर रहे हैं।

एमएसएमई सेक्टर के कारोबार में यूपीआई की अहम भूमिका

चौंबर ऑफ एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र इंडस्ट्री के अध्यक्ष दीपेन अग्रवाल का कहना है कि एमएसएमई सेक्टर में कारोबार का लेनदेन यूपीआई से होता है। इस तरह की परेशानी से कारोबार को रोज का 1000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। वर्तमान समय छोटे कारोबारी लेनदेन के लिए यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी वजह से छोटे से लेकर बड़े सभी ट्रांजेक्शन नहीं हो पा रहे हैं। उनका कहना है कि जब डिजिटल पेमेंट अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं तो इस तरह की समस्या से कारोबार सहित लोगों का विश्वास भी कम होता है। यह सरकारी व्यवस्था है जिसको सुरक्षित रखना सबसे बड़ी बात है ऐसे में कारोबारियों का डिजिटल पेमेंट शिफ्ट अन्य प्लेटफॉर्म की ओर जाता है।

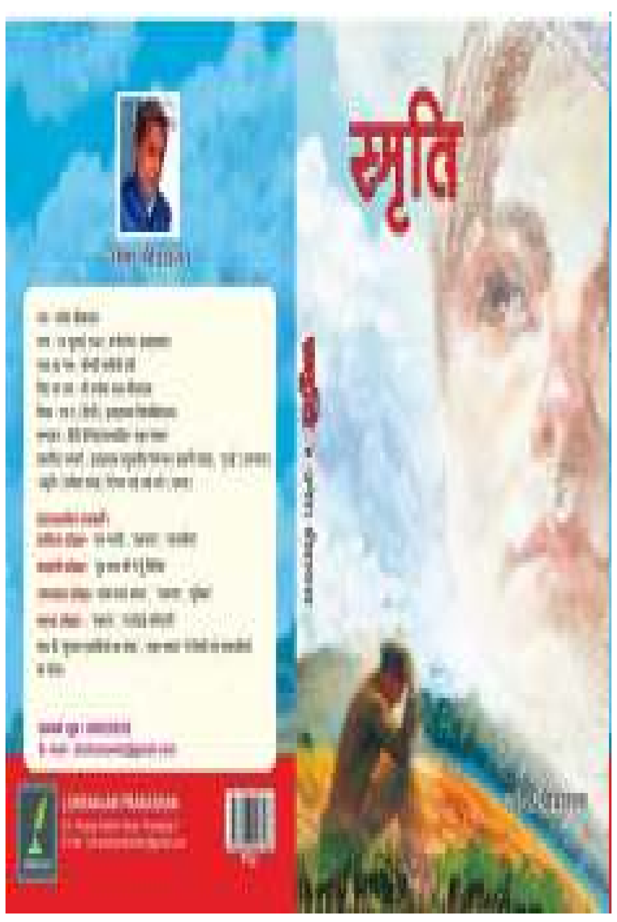

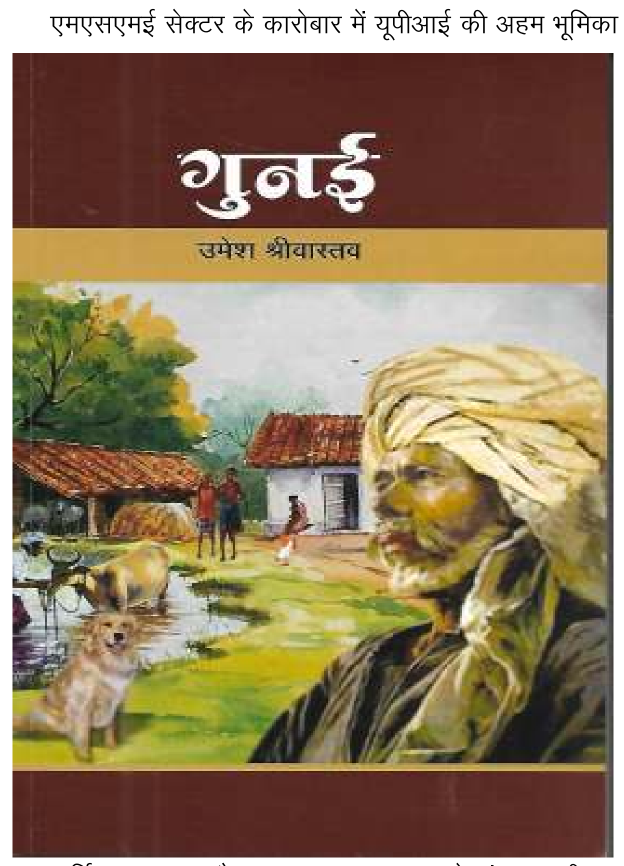

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

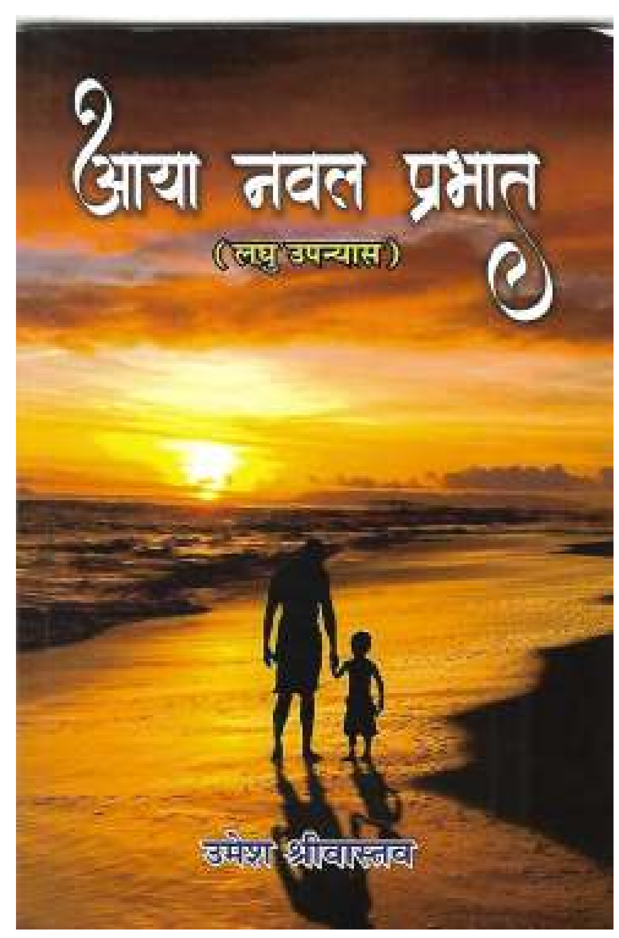

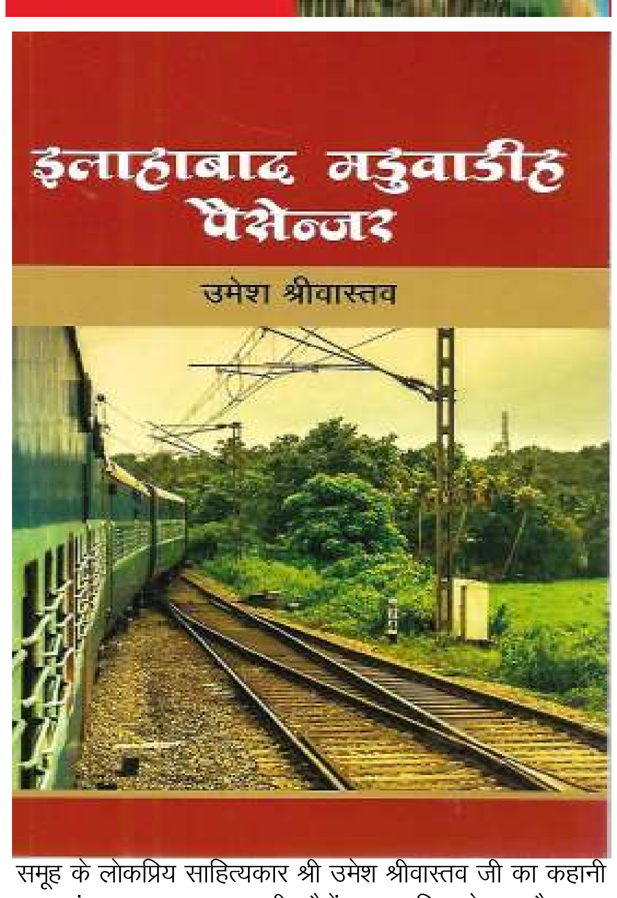

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

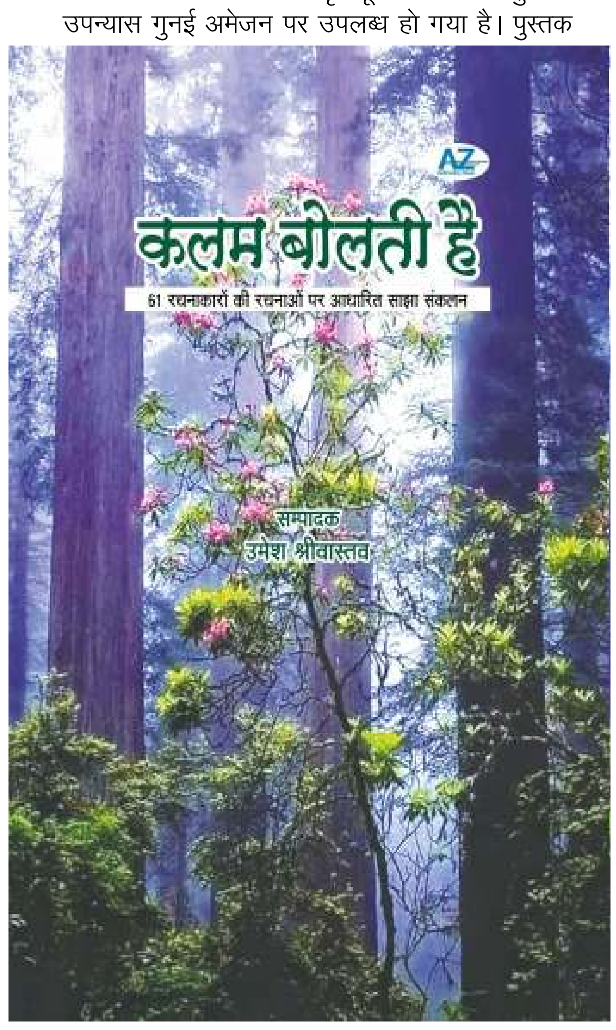

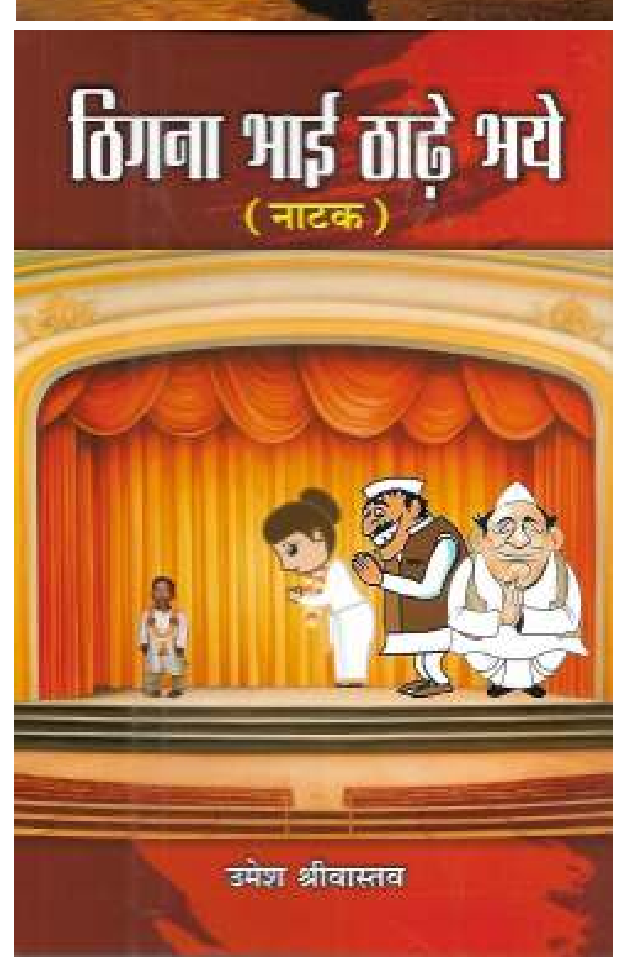

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

कमला हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी के नॉमिनेशन के लिए जगह की पक्की, 22 अगस्त को होगा औपचारिक ऐलान

डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष जैमी हैरिसन ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति पद के लिए पार्टी की उम्मीदवार बनने के लिए पर्याप्त डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि वोट हासिल कर लिए हैं। वर्चुअल वोटिंग सोमवार को समाप्त होगी। लेकिन अभियान में देखा गया कि हैरिस ने प्रतिनिधियों के बहुमत के वोट पाने की सीमा पार कर ली है। हैरिस किसी प्रमुख पार्टी के टिकट पर शीर्ष पर पहुंचने वाली पहली अश्वेत महिला बनने जा रही हैं। कमला हैरिस ने एक्स पर लिखा कि मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए

डेमोक्रेटिक उम्मीदवार होने पर सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं अगले सप्ताह आधिकारिक तौर पर नामांकन स्वीकार करूंगा। यह अभियान लोगों के एक साथ आने के बारे में है, जो देश के प्यार से प्रेरित हैं, हम जो हैं उसमें से सर्वश्रेष्ठ के लिए लड़ने के लिए। घोषणा के बाद हैरिस ने कहा कि लेकिन पहले से ही मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि हमारे पास नामांकन सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त प्रतिनिधि हैं। इस महीने के अंत में हम एक पार्टी के रूप में एकजुट होकर शिकागो में इकट्ठा होंगे जहां हमें इस ऐतिहासिक क्षण को एक साथ मनाने का अवसर मिलेगा। उनके अभियान ने कहा कि कमला हैरिस को औपचारिक रूप से नामांकन सुरक्षित करने के लिए प्रतिनिधियों से 2,350 वोटों की सीमा पार करने की आवश्यकता है। इस बीच, जैमे हैरिसन ने कहा कि हम इस महीने के अंत में शिकागो में अपने सम्मेलन के दौरान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के आसपास रैली करेंगे और अपनी पार्टी की ताकत का प्रदर्शन करेंगे। डेमोक्रेट्स ने हैरिस को नामांकित करने के लिए एक आभासी वोट लिया है, जो उस प्रक्रिया की परिणति के करीब है जो राष्ट्रपति जो बिडेन के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के फैसले से उलट गई थी।

हैरिस उपराष्ट्रपति पद के लिए पार्टी के छह संभावित प्रत्याशियों का साक्षात्कार ले रहीं : सूत्र

अमेरिका की मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस आगामी चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की औपचारिक घोषणा से पहले इस सप्ताहांत छह संभावित प्रत्याशियों का साक्षात्कार ले रही हैं और अगले सप्ताह अपने सहयोगी के साथ चुनावी दौरे पर जाएंगी। हैरिस की चयन प्रक्रिया की जानकारी रखने वाले दो लोगों के अनुसार, जिन लोगों का वह साक्षात्कार ले रही है उसमें केंटकी के गवर्नर एंडी बेशर, इलिनोइस के जे बी प्रिट्जकर, पेंसिल्वेनिया के जोश

शापिरो और मिनेसोटा के टिम वाल्ज के साथ–साथ एरिजोना के सीनेटर मार्क केली और परिवहन मंत्री पीट बटिगिएग शामिल हैं। साक्षात्कार के दौरान शापिरो और केली का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। मंगलवार तक उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी चयनित करने का लक्ष्य रखा गया है और इसी दिन हैरिस सात प्रमुख राज्यों के चुनाव दौरे पर जाएंगी जो कि फिलाडेल्फिया से शुरू होगा। राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने उपराष्ट्रपति पद के पार्टी के उम्मीदवार के चयन को लेकर हैरिस से बात की थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कोई सलाह दी है कि उन्हें अपने सहयोगी में कौन से गुण देखने चाहिए तो इस पर बाइडन ने सार्वजनिक रूप से आपत्ति जताई।

सोमालिया की राजधानी में होटल में धमाके और गोलीबारी

सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में समुद्र तट के पास एक होटल में बम तथा गोलीबारी की गई। सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने घटनास्थल को घेर लिया। अधिकारियों तथा प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। देश की सरकारी 'सोमाली नेशनल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि सुरक्षा बलों ने ''हमलावरों को मार गिराया।

9/11 हमले के मास्टरमाइंड साथ अमेरिका ने रद्द किया समझौता, दोष स्वीकार करने पर था सहमत

वॉशिंगटन। अमेरिका ने 9/11 के मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद के साथ एक समझौता करने का फैसला लिया था। इस समझौते के तहत अमेरिका खालिद शेख द्वारा आरोप स्वीकार करने के बदले मौत की सजा खत्म करने के तैयार है। हालांकि, इस घोषणा के दो दिन बाद ही अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने शुक्रवार को 9/11 के मास्टरमाइंड के साथ किए गए इस समझौते को रद्द कर दिया।खालिद शेख और अन्य दो आरोपियों के साथ किए गए इस समझौते से ऐसा प्रतीत हो रहा था, जैसे लंबे समय से जारी यह मामला अब खत्म होने वाला है। इस समझौते की खबर से 2001 में हुए हमले में

मारे गए लोगों के परिजनों में गुस्सा फैल गया था। दरअसल, पीड़ितों और मृतकों के परिजनों का मानना है कि 11 सितंबर 2001 के हादसे में मारे गए करीब 3000 लोगों के परिवारवालों का मानना था कि आरोपियों को मौत की ही सजा होनी चाहिए। लॉयड ऑस्टिन ने इस मामले को देखने वाली सुसान एस्केलियर को एक ज्ञापन में कहा, आरोपियों के साथ प्री– ट्रायल समझौते के निर्णय को ध्यान में रखते हुए,इसकी जिम्मेदारी मुझ पर होनी चाहिए। मेमो में आगे कहा गया, मैं इस मामले में 31 जुलाई 2024 को आपके द्वारा हस्ताक्षरित तीन प्री–ट्रायल समझौतों को वापस लेता हूं।

आजीवन कारावास की सजा के बदले साजिश का दोष स्वीकार करने पर हुई थी सहमति

स्थानीय मीडिया ने बताया कि खालिद शेख मोहम्मद, वालिद बिन अताश और मुस्तफा अल–हवसावी ने आजीवन कारावास की सजा के बदले साजिश का दोष स्वीकार करने पर सहमति व्यक्त की थी। मार्च 2003 में पाकिस्तान में पकड़े जाने से पहले खालिद शेख मोहम्मद को अल–कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन का सबसे भरोसेमंद व्यक्ति माना जाता था। साल 2006 में ग्वांतानामो पहुंचने से पहले उसने गुप्त सीआईए जेलों में तीन साल बिताया। खालिद शेख ने बताया कि वह 9/11 के हमलों का मास्टरमाइंड था। इसके अलावा वह अमेरिका के खिलाफ कई साजिशों में भी शामिल था। बता दें कि उसने अमेरिका की यूनिवर्सिटी से ही अपनी पढ़ाई पूरी थी। ट्विन टावर को गिराने की योजना बनाने के अलावा खालिद शेख ने दावा किया कि उसने 2002 में अमेरिकी पत्रकार डैनियल पर्ल का सिर काट दिया था। इसके अलावा 1993 में उसने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में भी बमबारी में की थी, जिसमें छह लोगों की मौत हुई थी।

पहली बार आमने सामने होंगे ट्रंप और हैरिस, प्रेसिडेंशियल डिबेट की आ गई तारीख

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने 4 सितंबर को उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ राष्ट्रपति पद की बहस आयोजित करने के फॉक्स न्यूज के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है। यह तब हुआ जब डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार हैरिस ने चुनाव जीतने के लिए आवश्यक प्रतिनिधि वोट हासिल कर लिए। यह पहली बार होगा कि ट्रम्प और हैरिस दोनों राष्ट्रपति पद की बहस

का हिस्सा होंगे क्योंकि राष्ट्रपति जो बिडेन ने डेमोक्रेट्स के बढ़ते दबाव के बाद दौड़ से खुद को वापस ले लिया था, जिन्होंने जून में ट्रम्प के खिलाफ बहस में उनके खराब प्रदर्शन के बाद उनकी उम्र और मानसिक तीक्ष्णता संबंधी चिंताओं को उजागर किया था। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि हैरिस के खिलाफ राष्ट्रपति पद की बहस पेंसिल्वेनिया में होगी। उन्होंने यह भी कहा कि बहस सीएनएन द्वारा आयोजित जून की बहस के विपरीत ष्पूरे मैदान में दर्शकोंष के सामने होनी चाहिए, जिसमें कोई दर्शक नहीं था। उन्होंने कहा कि मैं बुधवार, 4 सितंबर को कमला हैरिस से बहस करने के लिए फॉक्सन्यूज के साथ सहमत हो गया हूं। बहस पहले एबीसी पर स्लीपी जो बिडेन के खिलाफ निर्धारित थी, लेकिन इसे समाप्त कर दिया गया है कि बिडेन अब भागीदार नहीं होंगे... फॉक्स न्यूज बहस होगी पेंसिल्वेनिया के ग्रेट कॉमनवेल्थ में एक क्षेत्र में एक स्थल पर आयोजित किया जाना है।

जुकरबर्ग ने मुझसे माफी मांगी, कहा- किसी डेमोक्रेट का समर्थन नहीं करेंगे : ट्रंप

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि फेसबुक के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग ने उनसे जुड़ी सामग्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए उन्हें हाल ही में फोन कर माफी मांगी और भरोसा दिलाया कि वह "किसी डेमोक्रेट का समर्थन नहीं करेंगे।" फॉक्स न्यूज के साथ शुक्रवार को दिए गए साक्षात्कार में

ट्रंप ने कहा, "मार्क जुकरबर्ग ने मुझे फोन किया। मैं बताना चाहूंगा कि उन्होंने मुझे कई बार फोन किया। (पेनसिल्वेनिया में) रैली के बाद उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि यह वाकई अद्भुत था, यह बहुत बहादुरी भरा था। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, "जुकरबर्ग ने वास्तव में भरोसा दिलाया कि वह किसी डेमोक्रेट का समर्थन नहीं करेंगे क्योंकि वह ऐसा नहीं कर सकते, क्योंकि उस दिन मैंने जो किया, उसके लिए वह मेरी इज्जत करते हैं।" उन्होंने कहा, "वे इस पर काम कर रहे हैं और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे ठीक कर लिया है।

इजरायल के खिलाफ मुस्लिम देशों की बड़ी बैठक

अमेरिका ने समुद्र में खतरानक युद्ध पोत उतारकर चारो ओर से घेर लिया

इस्माइल हानिया की मौत के बाद अब वर्ल्ड वॉर तीन की आहट सुनाई देने लगी है। मीडिल ईस्ट में भीषण युद्ध की तैयारी हो रही है। इजरायल को अमेरिका के बैक सपोर्ट की बात तो सभी जानते हैं। लेकिन अब अमेरिका की सीधी एंट्री होती नजर आ रही है। हिजबुल्ला के साथ ईरान खड़ा नजर आ रहा है। ये माना जा रहा है कि ईरान की आने वाले दिनों में बड़े अटैक की तैयारी चल रही है। ऐसे में जंग और तेज होती हुई नजर आ रही है। ईरान के सुप्रीम लीडर ने इजरायल पर सीधे अटैक के आदेश दे दिए हैं। इस बार ईरान अकेला नहीं बल्कि लेबनान, यमन के साथ मिलकर बड़े हमले की तैयारी में है। ईरान द्वारा इज़राइल की ओर

मिसाइलें दागने के लगभग चार महीने बाद, यरूशलेम और वाशिंगटन इस सप्ताह के शुरू में हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हनीयेह की हत्या के प्रतिशोध में तेहरान और उसके सहयोगियों से एक और सप्ताहांत हमले की तैयारी कर रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने पहले ही अमेरिकी कर्मियों की सुरक्षा और इज़राइल की रक्षा के लिए मध्य पूर्व में अतिरिक्त युद्धपोत और लड़ाकू जेट तैनात करना शुरू कर दिया है। एपी ने पेंटागन के अधिकारियों के हवाले से कहा कि अतिरिक्त बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा–सक्षम क्रूजर और विध्वंसक की भी व्यवस्था की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, जो बाइडेन प्रशासन आश्वस्त है कि ईरान इस सप्ताह के अंत में जल्द ही इजरायल पर हमला करने वाला है। अमेरिका को डर है कि यह हमला 13 अप्रैल के हमले से अधिक व्यापक और जटिल हो सकता है जो सीरिया में हवाई हमले के प्रतिशोध में था जिसमें एक शीर्ष ईरानी जनरल की मौत हो गई थी। स्थिति को जटिल बनाते हुए, हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह ने भी इस सप्ताह के शुरू में बेरूत में इजरायली हवाई हमले का जवाब देने की कसम खाई है जिसमें कमांडर फुआद शुक्र की मौत हो गई थी। अप्रैल में हुआ हमला दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इजरायली हवाई हमले के प्रतिशोध में था जिसमें एक शीर्ष कमांडर सहित सात लोग मारे गए थे।

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप की सुरक्षा में अपनी चूक को स्वीकार किया

अमेरिका की सीक्रेट सर्विस ने 13 जुलाई को पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में अपनी चूक को स्वीकार किया है। ट्रंप 13 जुलाई को पेनसिल्वेनिया में एक रैली में उस समय बाल–बाल बच गए, जब 20 वर्षीय एक हमलावर ने उन पर कई गोलियां चलाईं। इस हमले में वह जख्मी हो गए थे और उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से पर चोट आई थी। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के कार्यवाहक निदेशक रोनाल्ड रोवे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''13 जुलाई की घटनाओं में चूक के लिए सीक्रेट सर्विस पूरी तरह से जिम्मेदार है। यह एक मिशन विफलता थी। हमारी एजेंसी की एकमात्र जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि उन लोगों को कभी भी खतरा न हो जिनकी सुरक्षा का जिम्मा हमारे ऊपर है। बटलर में हम ऐसा करने में विफल रहे और मैं यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा हूं कि ऐसी चूक दोबारा न हो।'' सीक्रेट सर्विस की मुख्य जिम्मेदारी राष्ट्रपति, पूर्व राष्ट्रपतियों और उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा करना है। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों को भी सीक्रेट सर्विस की सुरक्षा मिलती है। रोवे ने कहा कि सीक्रेट सर्विस 13 जुलाई की चूक की लंबित जांच में सहयोग जारी रखेगी। यह जांच होमलैंड सुरक्षा विभाग के महानिरीक्षक कार्यालय द्वारा की जा रही है। इसके अलावा राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा निर्देशित स्वतंत्र समीक्षा का कार्य भी चल रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं इन जांच के पूरा होने का इंतजार नहीं कर रहा हूं, और मैंने सीक्रेट सर्विस को तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे लोग सुरक्षित हैं। मैं पेनसिल्वेनिया के बटलर में सीक्रेट सर्विस की चूक के लिए जवाबदेही तय करने को प्रतिबद्ध हूं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।